छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 16 ■ अंक - 316 ■ अम्बिकापुर, रविवार 14 दिसम्बर 2025 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

2030 तक बस्तर को बनाएंगे सबसे विकसित आदिवासी संभाग-अमित शाह

छ.ग. फ्रंटलाइन जगदलपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को बस्तर ओलंपिक-2025 के समापन समारोह में स्पष्ट शब्दों में कहा कि बस्तर को माओवाद मुक्त करना ही नहीं, बल्कि 2030 तक देश का सबसे समृद्ध और विकसित आदिवासी संभाग बनाना हमारा संकल्प है। प्रियदर्शिनी इंदिरा स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हर हाल में हासिल किया जाएगा।

गृह मंत्री ने मंच से मुट्ठी भींचकर जवानों और उपस्थित जनसमूह से भारत माता के जयकारे लगवाए और कहा कि मां दंतेश्वरी की पावन भूमि पर आकर उनकी एक ही प्रार्थना है कि माओवाद मुक्त छत्तीसगढ़ में आदिवासियों का समग्र विकास। उन्होंने कहा कि आज बस्तर आकर उन्हें सबसे अधिक आनंद हो रहा है, क्योंकि सरकार जिस लक्ष्य के साथ आगे बढ़ी थी, वह अब अपने अंतिम पड़ाव पर है।

अमित शाह ने कहा कि सरकार ने तय किया था कि मार्च 2026 तक माओवाद का पूरी तरह अंत किया जाएगा, और आज बस्तर ओलंपिक में आकर वह कह सकते हैं कि यह लक्ष्य अब बहुत करीब है। उन्होंने विश्वास जताया कि अगली बार जब वे बस्तर ओलंपिक में आएंगे, तब यह क्षेत्र पूरी तरह माओवाद मुक्त होगा।

माओवाद मुक्त करना ही सरकार का अंतिम लक्ष्य नहीं- अमित शाह

उन्होंने कहा कि माओवाद मुक्त करना ही सरकार का अंतिम लक्ष्य नहीं है। माओवादी हिंसकों की समाप्ति के बाद बस्तर में विकास की नई शुरुआत होगी। सात जिलों के इस संभाग को 2030 तक देश का सबसे विकसित आदिवासी क्षेत्र बनाया जाएगा। इसके तहत हर आदिवासी परिवार तक बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य और बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाई जाएंगी। पांच लाख रुपये तक का मुफ्त उपचार, हर पांच किलोमीटर के दायरे में बैंक और स्वास्थ्य सेवाएं, वनोपज के प्रसंस्करण, दुग्ध उत्पादन, नए उद्योगों और आवश्यकता के अनुसार अस्पतालों की स्थापना की जाएगी। कुपोषण से निपटने के लिए विशेष क्लीनिक भी चलाए जाएंगे।

गृह मंत्री ने कहा कि माओवाद की राह छोड़कर मुख्यधारा में लौटने वाले माओवादियों का पुनर्वास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि माओवादी विकास के सबसे बड़े बाधक थे, लेकिन अब शांति के साथ बस्तर विकास की ओर बढ़ रहा है। माओवाद के झांसे में आकर जिनका जीवन बर्बाद हो रहा था, ऐसे 700 से अधिक पूर्व माओवादी आज शांति का रास्ता चुनकर खेल और समाज की मुख्यधारा में लौट चुके हैं और बस्तर ओलिंपिक में उनकी 'नुआ बाट'(नई राह) टीम अन्य प्रतिभागियों से प्रतिस्पर्धा कर रही है।

उन्होंने दावा किया कि 21 मार्च 2026 तक देश पूरी तरह माओवाद से मुक्त हो जाएगा। भटके हुए युवाओं से अपील करते हुए अमित शाह ने कहा कि हथियार डालकर अपने और अपने परिवार के भविष्य के लिए आगे आएं, क्योंकि माओवाद से किसी का भला नहीं हुआ। शांति ही विकास का एकमात्र रास्ता है।

अमित शाह ने बस्तर की संस्कृति की सराहना करते हुए कहा कि यह दुनिया की सबसे समृद्ध संस्कृतियों में से एक है। माओवाद के साये में जो त्योहार, गीत और उत्सव समाप्त हो रहे थे, उन्हें अब फिर से आगे बढ़ाया जा रहा है। ढोकरा शिल्प सहित पारंपरिक कलाओं को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 2036 ओलंपिक के लिए बस्तर से खिलाड़ी तैयार किए जाएंगे।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि बस्तर का माओवाद मुक्त होना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संकल्प का प्रत्यक्ष परिणाम है। विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह ने कहा कि इतिहास में धारा 370 हटाने और चार दशकों से चली आ रही माओवादी हिंसा के खात्मे के लिए देश हमेशा अमित शाह के योगदान को याद रखेगा। कार्यक्रम को उपमुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा और विधायक किरण देव ने भी संबोधित किया।

तांत्रिक की खौफनाक करतूत, पूजा के बहाने नशीला लड्डू खिलाया, 5 लोगों को बेहोश कर सोना लेकर फरार

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। छत्तीसगढ़ में तंत्र-मंत्र के नाम पर अपराध की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। कोरबा में तांत्रिक से जुड़े तीन लोगों की मौत का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि अब राजिम से एक और चौंकाने वाली घटना सामने आ गई है। राजिम क्षेत्र में एक तांत्रिक ने पूजा-पाठ के बहाने परिवार के लोगों को नशीली दवा मिला लड्डू खिलाकर बेहोश कर दिया और कीमती जेवरात लेकर फरार हो गया। यह मामला फिंगेश्वर थाना क्षेत्र के भसेरा गांव का है। जानकारी के अनुसार, रायपुर निवासी तांत्रिक सत्यनारायण साहू गांव में तंत्र-मंत्र और पूजा-पाठ के जरिए समस्या समाधान का दावा करता था। उसने गांव के एक परिवार को अपने झांसे में लेकर घर में विशेष पूजा कराने की बात कही। पूजा के दौरान उसने प्रसाद के रूप में लड्डू बांटे, जिसमें नशीली दवा मिली हुई थी। प्रसाद खाने के कुछ ही समय बाद घर में मौजूद आठ लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। इनमें से एक ही परिवार के पांच लोग पूरी तरह बेहोश हो गए। अचानक सभी के अचेत होने से घर में हड़कंप मच गया। इस दौरान

आरोपी तांत्रिक ने मौके का फायदा उठाते हुए घर में रखे करीब 60 हजार रुपये कीमत के सोने के जेवरात समेटे और रात के अंधेरे में फरार हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। फिंगेश्वर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और बेहोश लोगों को तत्काल इलाज के लिए महासमुंद जिला अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में भर्ती पांच लोगों की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है और डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई शुरू की। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी तांत्रिक सत्यनारायण साहू रायपुर का रहने वाला है और इससे पहले भी वह अलग-अलग इलाकों में पूजा-पाठ के नाम पर लोगों को ठग चुका है। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय सूचना के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

फिंगेश्वर थाना प्रभारी के अनुसार, आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी, नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश करने और चोरी की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपी ने इससे पहले किन-किन लोगों को अपना शिकार बनाया है और क्या उसके पीछे कोई संगठित गिरोह काम कर रहा है। इस घटना के बाद इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि तंत्र-मंत्र और झाड़-फूंक के नाम पर ऐसे लोग भोले-भाले ग्रामीणों को आसानी से निशाना बनाते हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे ढोंगी तांत्रिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। राजिम की यह घटना एक बार फिर यह सवाल खड़ा करती है कि अंधविश्वास के नाम पर अपराध करने वालों पर लगाम लगाने के लिए समाज और प्रशासन दोनों को सतर्क और जागरूक होने की जरूरत है। पुलिस फिलहाल आरोपी से पूछताछ कर रही है और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच जारी है।

जिले में अब तक 6.68 लाख क्विंटल से अधिक धान उपार्जन

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत जिले के सभी धान उपार्जन केन्द्रों में सुव्यवस्थित एवं सुचारू रूप से धान खरीदी प्रक्रिया जारी है। अब तक जिले में कुल 6,68,488.40 क्विंटल धान का उपार्जन किया जा चुका है, जिससे बड़ी संख्या में किसानों को समर्थन मूल्य का लाभ मिल रहा है। धान उपार्जन केन्द्रों से धान के समय पर उठाव को सुनिश्चित करने के लिए 12,160 क्विंटल डीईओ (डिलीवरी एग्जीक्यूशन ऑर्डर) जारी किया गया है। इससे उपार्जन केन्द्रों में भंडारण की समस्या कम होगी और किसानों को धान विक्रय करने में अधिक सहूलियत मिलेगी। इसी क्रम में, विभिन्न धान उपार्जन केन्द्रों पर 1,667 किसानों द्वारा कुल 59.6379 हेक्टेयर रकबा समर्पित किया गया है। रकबा समर्पण की यह प्रक्रिया खरीदी व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित बनाने में सहायक सिद्ध हो रही है। जिला प्रशासन द्वारा धान खरीदी, उठाव एवं भुगतान की प्रक्रिया पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। समयबद्ध उठाव एवं भुगतान सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

खड़े ट्रक से डीजल चोरी करने वाला एक और आरोपी गिरफ्तार

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। खड़े ट्रक से डीजल चोरी करने के मामले में कोतवाली पुलिस ने एक और आरोपी को रतनपुर से गिरफ्तार किया है। आरोपी अपने साथियों के साथ मिलकर खड़े ट्रक से डीजल चोरी करने का काम करता है। इसके खिलाफ गांधीनगर, कोतवाली, मणिपुर व लखनपुर थाने में भी अपराध दर्ज है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार भिलाई निवासी अवधेश ड्क्षसह ट्रक क्रमांक सीजी 07 बीएस 4038

में सीमेंट लोड कर अंबिकापुर आया था। वह 10 नवंबर को वाहन को नमनाकाला रिंग रोड में खड़ा करके सो रहा था। देर रात डीजल चोरी की आशंका पर ट्रक से नीचे उतरकर देखा तो 3-4 लड़के वाहन से डीजल चोरी कर रहे थे। मना करने पर बदमाशों ने चाकू से मारपीट करने लगे और डीजल चोरी कर कार से फरार हो गए थे। अवधेश सिंह ने 11 नवंबर को कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने पूर्व में मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तार कर चुकी है। शेष आरोपी फरार चल रहे थे। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी रितेश तिवारी पिता बद्रीनाथ तिवारी, 28 वर्ष, निवासी ग्राम रस्मोहनी, पोस्ट रस्मोहनी, थाना जयपुर, जिला शहडोल (म.प्र.) को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

संघ को समर्पित हिन्दू सम्मेलन गोधनपुर में आज

संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आरएसएस के कार्यों को सम्मान देने यह आयोजन

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। आरएसएस के सौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हिन्दू समाज द्वारा संघ के कार्यों को समर्पित करते हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसी के तहत गोधनपुर वार्ड में भी हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया है। संघ के कार्यों को समर्पित हिन्दू सम्मेलन की तैयारियों में गोधनपुर को भगवा झंडे-बैनर से सजाया गया है। लोग इस आयोजन को लेकर बेहद उत्सुक हैं। आज रविवार को ढ़ाई बजे से सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा। गोधनपुर बस्ती के शाखा कार्यवाह अजय जायसवाल एवं बस्ती प्रमुख गुरू चरण सिंह ने आयोजन के संबंध में बताया कि आज दोपहर बाद ढाई बजे से इस हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया है। सर्व हिन्दू समाज द्वारा इस सम्मेलन का आयोजन किया

जा रहा है। खास बात यह है कि संघ के कार्यों को समर्पित इस सम्मेलन के आयोजन को लेकर वार्डवासी बेहद उत्साहित है और आयोजन की सफलता के लिए बढ़ चढ़कर अपना समय दे रहे है। झंडा, बैनर, होर्डिंग वार्डवासियों द्वारा स्वतः लगाया जा रहा है। यह सम्मेलन गोधनपुर में हमर क्लीनिक के सामने योगेश्वर महादेव मंदिर परिसर में आयोजित किया गया है। सम्मेलन को सफल बनाने पार्षद शिवमंगल सिंह, चांददेव विश्वकर्मा, सुरेश तिवारी, मनोज कुमार, चरण सिंह सैनी, शिव कुमार साहू, राजेन्द्र सिंह, सुरेश शर्मा, रविकांत सिंह, लक्की, शुभम तिवारी, अर्नव सिंह, हैप्पी सिंह सहित अन्य कई लोग अपना पूरा समय दे रहे हैं।

शहर में कबीर पंथ के धर्मगुरु के आगमन पर निकली कलश यात्रा

प्रदेश में तेजी से हो रही पेड़ों की कटाई, लेकिन जंगलों को बचाने के प्रयास पर्याप्त नहीं

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर में पहली बार कबीर पंथियों के धर्मगुरु उदित मुनि नाम साहब का नगर आगमन हुआ। कबीर पंथ के 16 वें वंश के धर्मगुरु के वचनों को सुनने के लिए सैकड़ों की संख्या में कबीर पंथी पीजी कॉलेज के हॉकी स्टेडियम में एकत्रित हुए। धर्मगुरु के स्वागत में बस स्टैंड स्थित कबीर आश्रम से भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। इस अवसर पर उदित मुनि नाम साहब ने कहा कि अंबिकापुर में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कबीर पंथियों को संगठित करना है, जिसे केडीबी मिशन के माध्यम से सशक्त रूप दिया जा रहा है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि प्रदेश में तेजी से पेड़ों की कटाई हो रही है, लेकिन जंगलों को बचाने के प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। केडीबी मिशन के तहत पेड़ों को कटने से बचाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि महाराष्ट्र के सावनेर में एक निशुल्क विद्यालय संचालित किया जा रहा है, जहां कबीर पंथी शिक्षा के साथ-साथ होनहार छात्रों को उच्च शिक्षा भी प्रदान की जा रही है। इस दौरान काफी संख्या में कबीर पंथ के अनुयायी उपस्थित रहे।

ग्रामीणों और पुलिस के बीच हुए संघर्ष में आहत ग्रामीणों का संजीवनी अस्पताल के चिकित्सा दल ने कैम्प लगाकर किया इलाज

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बीते 3 दिसंबर को ग्रामीणों और पुलिस के बीच हुए संघर्ष में आहत कई ग्रामीणों का ईलाज शनिवार को ग्राम परसोढी कला में संजीवनी अस्पताल अंबिकापुर के 7 सदस्यीय चिकित्सा दल ने कैम्प लगाकर किया। संघर्ष में आहत 5 ग्रामीणों को फैक्चर की संभावना देखते हुए उन्हें एक्स रे की सलाह देते हुए अस्पताल बुलाया गया है। शुक्रवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने परसोढीकला का दौरा किया था। इस दौरान ग्रामीणों से चर्चा में यह जानकारी मिली थी कि संघर्ष के बाद प्रशासन ने उन्हें पर्याप्त इलाज उपलब्ध नहीं कराया था। संघर्ष में कुछ ग्रामीणों के सर पर चोट लगी थी, जिन्हें प्राथमिक इलाज के पश्चात अपने हाल पर छोड़ दिया। शेष आहत ग्रामीणों को कोई इलाज मुहैया नहीं कराया गया था। इस पर आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने संजीवनी अस्पताल के संचालक और पूर्व महापौर डॉ. अजय तिर्की से मेडिकल सहायता का अनुरोध किया था। डॉ. अजय तिर्की ने जानकारी दी कि कुल 43 ग्रामीणों का इलाज किया गया है। कुछ में फैक्चर की संभावना देखते हुए उन्हें अस्पताल बुलाया गया है। उन्होंने जानकारी दी कि जिन ग्रामीणों के सर पर चोट आई थी उन्हें छोड़कर अन्य किसी भी व्यक्ति को प्रारंभिक चिकित्सा उपलब्ध नहीं कराई गई। कई ग्रामीण व्यक्तिगत प्रयास से स्थानीय रूप से इलाज करवा रहे थे।संजीवनी अस्पताल के द्वारा भेजे गए मेडिकल टीम में आपातकालीन चिकित्सक डॉ. ऋषभ, डॉ. इकबाल, ड्रेसर अनिल कश्यप, नर्स सिस्टर निशा एवं मोनिका एवं अन्य मेडिकल स्टॉफ श्री लक्ष्मी एवं लालजी शामिल थे।

सरगुजा की संस्कृति, सभ्यता और पर्यावरण को बचाने सामूहिक पहल जरूरी-आदित्येश्वर

शुक्रवार को परसोढी कला के ग्रामीणों से मुलाकात के बाद आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने कहा था कि संघर्ष की घटना असंवेदनशील थी। प्रशासन को इससे बचना चाहिए था। उन्हें उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए ग्रामीणों का सहयोग लेना था। उन्होंने इस बात पर दुःख व्यक्त किया कि घटना में दोनों पक्षों को चोट आई। ग्रामीणों के अपर्याप्त इलाज पर उन्होंने चिंता जताते हुए उन्हें इलाज का आश्वासन दिया था। उनकी पहल पर ग्रामीणों को इलाज मुहैया हुआ। उन्होंने परसोढीकला के ग्रामीणों को आश्वासन दिया है कि उन्हें कानूनी सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास हो रहे हैं। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि विकास के लिए माइनिंग जरूरी है, लेकिन रामगढ़, परसोढीकला, मैनपाट में हो रहे खनन से सरगुजा की संस्कृति, सभ्यता और पर्यावरण को गंभीर खतरा है। यह बात दलीय विचारधारा से ऊपर की है। उन्होंने सरगुजा को बचाने की पहल के लिए सभी दलों को साथ आकर प्रयास करने की अपील की है।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत जिले के 207 श्रद्धालु विशेष ट्रेन से मथुरा-वृन्दावन रवाना

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन के समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत आज शनिवार को सरगुजा जिले के तीर्थ यात्रियों को लेकर एक विशेष ट्रेन अंबिकापुर रेलवे स्टेशन से मथुरा, वृन्दावन एवं श्रीकृष्ण जन्मभूमि के लिए रवाना हुई। ट्रेन को सभापति, नगर पालिक निगम अंबिकापुर हरमिंदर सिंह टिन्नी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती दिव्या सिंह सिसोदिया, मेंबर इन काउंसिल नगर पालिक निगम, श्रीमती प्रियंका गुप्ता, पार्षदगण सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। अतिथियों ने तीर्थ यात्रियों को सुखद एवं मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं।

उप संचालक, समाज कल्याण विभाग सरगुजा व्ही.के.उके ने बताया कि इस यात्रा में सरगुजा जिले के विभिन्न विकासखंडों एवं नगरीय निकायों से कुल 207 यात्री शामिल हैं। इनमें जनपद पंचायत लखनपुर,

मैनपाट, लुण्ड्रा, अंबिकापुर, बतौली, सीतापुर एवं उदयपुर से 23-23 यात्री, नगर निगम अंबिकापुर से 23, नगर पंचायत लखनपुर से 11 तथा नगर पंचायत सीतापुर से 11 यात्री, साथ ही 01 जिला नोडल अधिकारी एवं अनुरक्षक शामिल हैं। उन्होंने बताया कि तीर्थ यात्रियों की यह यात्रा 16 दिसम्बर 2025 को सकुशल वापसी के साथ पूर्ण होगी। कार्यक्रम के दौरान समाज कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा रेलवे एवं आईआरसीटीसी के कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे।

दुर्गम क्षेत्र ग्राम बिलकोना में प्रशासन की आवास चौपाल

पहाड़ी कोरवा समुदाय के बीच पहुँचीं जिला पंचायत सीईओ

- ज़मीन पर बैठकर ग्रामीणों से किया आत्मीय संवाद
- जनमन आवासों को शीघ्र पूर्ण करने के लिए किया प्रेरित

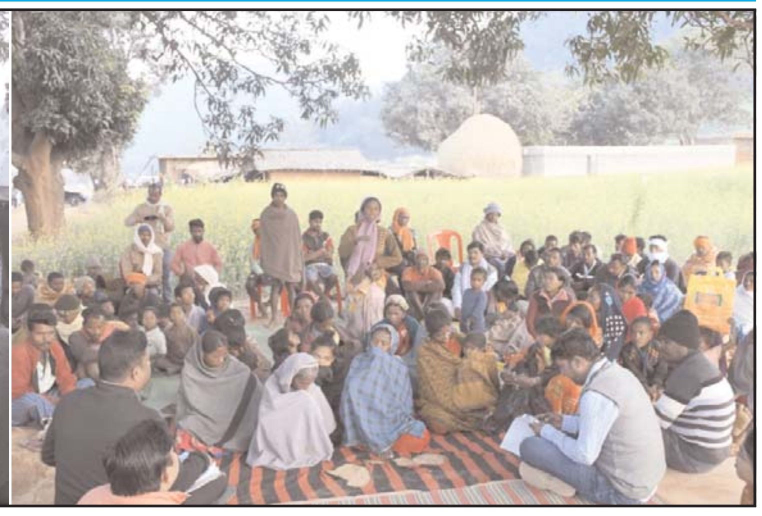

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। शंकरगढ़ विकासखंड के दुर्गम एवं पहाड़ी क्षेत्र में स्थित बिलकोना गांव में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर पहाड़ी कोरवा समुदाय के बीच पहुंची जहां प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) के अंतर्गत आयोजित आवास चौपाल के दौरान उन्होंने ज़मीन पर बैठकर सहज संवाद करते हुए ग्रामीणों की समस्याएँ आत्मीयतापूर्वक सुनीं।

जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तोमर ने पहाड़ी कोरवा समुदाय के आवास, आधारभूत सुविधाओं, राशन, स्वास्थ्य, पेयजल, बिजली तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की स्थिति की जानकारी ली। ग्रामीणों द्वारा बताई गई समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

आवास चौपाल के दौरान पीएम-जनमन योजना के तहत जनजातीय परिवारों को शासन की योजनाओं से शत-प्रतिशत जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। जिला पंचायत सीईओ ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि शासन-प्रशासन पहाड़ी कोरवा जनजातीय समुदायों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और उनकी समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान किया जाएगा।

ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व में गांव तक पहुँचने के लिए पुल नहीं होने के कारण नदी पार कर निर्माण सामग्री लानी पड़ती थी, जिससे आवास निर्माण कार्य अत्यंत धीमा था। कई बार भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब पुल निर्माण हो जाने से गांव की कनेक्टिविटी बेहतर हुई है, जिससे आवास निर्माण को नई गति मिलेगी। जिला पंचायत सीईओ ने इसे गांव के लिए बड़ी उपलब्धि बताते हुए हितग्राहियों से समयबद्ध रूप से आवास निर्माण पूर्ण करने की अपील की।

आवास चौपाल में सीईओ श्रीमती तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना का उद्देश्य केवल घर बनाना नहीं, बल्कि विशेष पिछड़ी जनजातियों परिवारों को सुरक्षित और स्थायी आवास उपलब्ध कराना है। उन्होंने हितग्राहियों से कहा कि योजना के अंतर्गत प्राप्त राशि का उपयोग केवल आवास निर्माण में ही करें। उन्होंने हितग्राहियों को चरणबद्ध शीघ्र आवास पूर्ण करने की हिदायत दी। ताकि समय से किस्त जारी किया जा सके।

इस दौरान सीईओ ने सरपंच एवं सचिव को निर्देश दिए कि आवास निर्माण हेतु आवश्यक सामग्री रेत, ईंट, सीमेंट आदि की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही हितग्राहियों को योजना की समस्त जानकारी चरणबद्ध रूप से दी जाए, ताकि किसी भी स्तर पर भ्रम या विलंब न हो। उन्होंने पहाड़ी कोरवा परिवारों को भरोसा दिलाया कि प्रशासनिक टीम इस कार्य में हरसंभव सहयोग करेगी।

प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को कुल 2.39 लाख रुपये की सहायता प्रदान की जाती है। इसमें 40,000 रुपये पहली किस्त के रूप में प्लिंथ स्तर तक निर्माण हेतु, 60,000 रुपये दूसरी किस्त छत स्तर तक निर्माण हेतु, 80,000 रुपये तीसरी किस्त पूर्ण आवास निर्माण हेतु तथा पूर्ण किए जाने पर 20,000 रुपये दिए जाते हैं। इसके अतिरिक्त शौचालय निर्माण एवं मनरेगा मजदूरी के लिए 39,000 रुपये की अतिरिक्त सहायता का भी प्रावधान है। संपूर्ण राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से हितग्राहियों के बैंक खातों में सीधे अंतरित की जाती है, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होती है।

गायत्री खदान में कोयला चोरों का धावा, सुरक्षा बलों की मुस्तैदी से टली बड़ी चोरी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की गायत्री खदान एक बार फिर कोयला चोरों की गतिविधियों को लेकर सुर्खियों में है। शनिवार को सैकड़ों टन कोयला चोरी के इरादे से बड़ी संख्या में अज्ञात लोग खदान परिसर में घुस आए थे। बताया जा रहा है कि चोर गिरोह पूरी तैयारी के साथ पहुंचे थे और कोयले को बाहर ले जाने की पहल कर रहे थे, लेकिन समय रहते सुरक्षा विभाग की तत्परता से यह बड़ी वारदात होने से पहले ही नाकाम कर दी गई। सूचना मिलते ही क्षेत्रीय मुख्यालय से क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी अमरेंद्र नारायण सिंह के निर्देश पर विशेष सुरक्षा दल को तत्काल गायत्री खदान भेजा गया। सुरक्षा बलों ने मौके पर पहुंचकर खदान परिसर में फैले चोरी किए गए कोयले के बोरे को जब्त कर उसे सुरक्षित रूप से स्टॉक यार्ड में जमा करा दिया है। सुरक्षा टीम के पहुंचते ही कोयला चोर मौके से फरार हो गए, जिससे यह साफ जाहिर होता है कि चोर गिरोह सुरक्षा की कमजोरी का फायदा उठाने की फिराक में था।गौरतलब है कि गायत्री खदान में कोयला चोरी की घटनाएं कोई नई बात नहीं हैं। आए दिन यहां चोरी की कोशिशें होती रहती हैं, जिससे प्रबंधन और सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ती जा रही है। सूत्रों की मानें तो खदान के आसपास संगठित कोयला चोर गिरोह सक्रिय हैं, जो रात

के अंधेरे के अलावा दिन दहाड़े भी मौके की तलाश में रहते हैं। यह गिरोह न सिर्फ खदान से कोयला चोरी करता है, बल्कि चोरी के दौरान सुरक्षा नियमों की अनदेखी कर खदान की संरचना और आसपास के इलाकों को भी खतरे में डाल देता है। कोयला चोरी से एसईसीएल को हर महीने लाखों रुपए का नुकसान हो रही है। साथ ही अवैध खनन और चोरी से खदान की सुरक्षा, पर्यावरण और श्रमिकों की जान पर भी गंभीर खतरा मंडरा रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि कई बार कोयला चोर हथियारों या लाठी-डंडों के साथ भी देखे गए हैं, जिससे किसी बड़ी अप्रिय घटना से इंकार नहीं किया जा सकता है। श्रमिक संगठनों ने मांग की है कि गायत्री खदान और आसपास के क्षेत्रों में स्थायी सुरक्षा चौकियां बनाई जाएं, सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाई जाए और नियमित पेट्रोलिंग की जाए। साथ ही पुलिस और प्रशासन के साथ संयुक्त अभियान चलाकर कोयला चोरी में शामिल लोगों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई की जाए। एसईसीएल प्रबंधन का कहना है कि कोयला चोरी पर अंकुश लगाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत किया गया है। बावजूद इसके प्रबंधन के इन दावों से गायत्री खदान में वर्षों से चल रहा कोयला चोरी का सिलसिला थम नहीं रहा है और यहां पर अवैध कारोबार फल-फूल रहा है।

सीएमएचओ ने ली अजबनगर हेल्थ सेक्टर की समीक्षा बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अजबनगर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कपिलदेव पैकरा द्वारा सेक्टर समीक्षा बैठक लिया गया। बैठक के दौरान सभी राष्ट्रीय कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की गई, जिसमें संस्थागत प्रसव, यूविन पोर्टल एंट्री, आरसीएच, 70 प्लस वय वंदन महाअभियान, आधार बेस अटेंडेंस, कुष्ठ सघन जांच, टीबी, शत प्रतिशत टीकाकरण करने, मुख्यालय निवास एवं अन्य विषयों पर बिंदुवार समीक्षा की गई। बैठक में सेक्टर सुपरवाइजर सहित सभी एचडब्लूसी अजबनगर, आमगांव, सिलफिली, सोनवाही और

पहाड़गांव के आरएचओ एवं सेकंड एएनएम के अलावा सभी कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक पश्चात पण्डोनगर व अजबनगर का भ्रमण कर आंगनबाडी कार्यकर्ता एवं स्थानीयजन से मिलकर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली गई। बैठक में जिला कार्यक्रम प्रबंधक सूरजपुर डीपीएम व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

जिला चिकित्सालय में पहली बार लेप्रोस्कोपिक विधि से हुआ सफल महिला नसबंदी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित की गई है। कलेक्टर के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय में पहली बार लेप्रोस्कोपिक विधि से महिला नसबंदी (एलटीटी) का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बसंत सिंह, सिविल सर्जन एवं मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. शशांक गुप्ता, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. रश्मि तिवारी तथा डॉ. अनिमेष सिंह की संयुक्त विशेषज्ञ टीम के समन्वय से परिवार नियोजन कार्यक्रम अंतर्गत कुल 6 महिला हितग्राहियों का एलटीटी ऑपरेशन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। सभी हितग्राही पूर्णतः सुरक्षित एवं स्वस्थ हैं। लंबे

अंतराल के बाद जिला बलरामपुर-रामानुजगंज में स्थायी परिवार नियोजन सेवा का पुनः शुभारंभ किया गया है, जो जिले के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

प्रशासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि अब प्रत्येक बुधवार को जिला चिकित्सालय में कम से कम 10 महिला हितग्राहियों का लेप्रोस्कोपिक नसबंदी ऑपरेशन नियमित रूप से किया जाएगा। यह उपलब्धि जिला प्रशासन की स्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्धता, आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार तथा महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण और परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक सशक्त कदम है।

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत युवाओं को मिलेगा निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत जिला परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज सोसायटी बलरामपुर में जिले के युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर नियोजित किये जाने हेतु कौशल प्रशिक्षण का संचालन प्रशिक्षण कोर्स ट्रेक्टर सर्विस मैकेनिक एवं वेल्डिंग में किया जाना है। प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु आयु सीमा 18 से 25 वर्ष तथा ट्रेक्टर सर्विस मैकेनिक हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 12 वीं/आई.टी.आई. मैकेनिकल/डीजल मैकेनिक योग्यताधारी पात्र है। वेल्डिंग कोर्स में प्रशिक्षण हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8 वीं एवं आयु सीमा 18 से 30 वर्ष होनी चाहिए। वेल्डिंग कोर्स में प्रशिक्षण प्रदाय कर स्थानीय स्तर पर नियोजित / रोजगार प्रदान किया जायेगा।

हॉलीस्ट्रियन फ्रीजियन नस्ल की गाय व सिरोही नस्ल की बकरी रही आकर्षण का केंद्र

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। पशुधन विकास विभाग द्वारा गत दिनों 11 दिसम्बर को ग्राम पंचायत संबलपुर के हीराडबरी में पशु मेला, प्रदर्शनी प्रतियोगिता एवं पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। मेले में विभिन्न प्रजाति के पशुओं का प्रदर्शन किया गया। गौवंशीय में हॉलीस्टीयन फ्रीजियन, जर्सी, साहीवाल, गिर, भैंसवंशीय में मुर्रा भैंसा, बकरी में सिरोही, जमुनापारी इत्यादि नस्ल का प्रदर्शन किया गया। पशु प्रतियोगिता में झम्मन सिंह ग्राम हीराडबरी की गाय जो हॉलीस्ट्रियन फ्रीजियन नस्ल की थी, प्रतियोगिता में प्रथम रही। हॉलीस्ट्रियन फ्रीजियन नस्ल की गाय लोगों के बीच में आकर्षण का केंद्र भी थी। वहीं बकरी-बकरा वर्ग में ग्राम पंचायत लटोरी से सिरोही नस्ल की बकरी का प्रदर्शन किया गया था, जिसका वजन लगभग 40 से 45 किलोग्राम का रहा, जो अपने वर्ग में प्रथम रहा। साथ ही मेले के माध्यम से पशुपालकों को नस्ल संवर्धन जैसे सेक्स शॉर्टेड सीमेन के बारे

में बताया गया, जिसमें 90 प्रतिशत बछिया होने की संभावना होती है। कार्यक्रम में चारा प्रसंस्करण से संबंधित पैरा यूरिया उपचार के बारे में बताया गया। यहां पर यह भी बताया गया कि उपचार करने से पैरे की पौष्टिकता बढ़ती है व पैरा नरम, स्वादिष्ट और प्रोटीन से भरपूर बन जाता है। साथ ही जानकारी दी गई कि अजोला आसानी से पशुओं द्वारा पचाया जा सकता है एवं अत्यंत पौष्टिक है जो पशु आहार के रूप में प्रयोग किया जा सकता है। ग्रीष्म ऋतु में हरे चारा की उपलब्धता के लिए बताया गया कि साईलेज में 80 से 90 प्रतिशत तक हरे चारे के बराबर पोषक तत्व संरक्षित रहते हैं, साईलेज खिलाकर पशुओं का दुग्ध उत्पादन आसानी से बढ़ाया जा सकता है। पशुधन स्वास्थ्य, रोग नियंत्रण व पशुपालन हेतु केसीसी, टीकाकरण के संबंध में जानकारी विभागीय अमले द्वारा दी गई। मेला के माध्यम से पशुपालकों को स्वालंबी बनने व शीत ऋतु प्रबंधन के बारे में भी जानकारी दी गई। मेला में आयोजित पशु प्रदर्शनी में पशुपालकों को श्रेणीवार पुरस्कृत किया गया। मेला में जनपद अध्यक्ष श्रीमति स्वाति संत सिंह, जनपद कृषि स्थाई समिति अध्यक्ष यशवंत सिंह, जिला पंचायत सदस्य श्रीमति किरण सिंह केराम, विकासखंड गौधाम समिति सदस्य देवधारी, जनपद सदस्य मोहरलाल चेरवा, विनोद वैष्णव, श्रीमती राजकुमारी पैकरा, श्रीमती सुखमन राजवाड़े, सरपंच कंवल बिहारी, हरिलाल, दशरथ राजवाड़े, वेटरिनरी पॉलीटेक्निक कॉलेज सूरजपुर प्राचार्य डॉ. ओपी पैकरा व अन्य उपस्थित थे।

रामचंद्रपुर एवं विजयनगर उपार्जन केंद्र में कलेक्टर का औचक निरीक्षण

धान की नमी, तौल सहित सभी व्यवस्थाओं का लिया जायजा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी, सुचारू एवं किसान हितैषी बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा द्वारा जिले में लगातार धान उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री कटारा ने विकासखंड रामचन्द्रपुर का सघन भ्रमण करते हुए रामचंद्रपुर एवं विजयनगर धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री कटारा ने धान की तौल प्रक्रिया, इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटा, नमी मापक यंत्र, बारदाने की उपलब्धता एवं किसानों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि धान खरीदी

के दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो तथा खरीदी प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी एवं सुचारू रूप से संचालित की जाए। कलेक्टर श्री कटारा ने धान खरीदी की बढ़ती मात्रा को ध्यान में रखते हुए डनेज, तिरपाल एवं भंडारण व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने के निर्देश दिए, ताकि उपार्जित धान की सुरक्षित भंडारण व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री कटारा ने उपार्जन केंद्रों में उपस्थित किसानों से आत्मीयतापूर्वक बातचीत कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। कलेक्टर श्री कटारा ने किसानों को आश्वस्त किया कि शासन एवं प्रशासन किसानों के हितों की सुरक्षा एवं धान खरीदी प्रक्रिया को निर्बाध रूप से संचालित करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने तथा समयबद्ध, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित तरीके से धान खरीदी संपन्न कराने के निर्देश दिए।

तालकेश्वरपुर के घने जंगलों में 3 किलोमीटर पीछा कर कलेक्टर ने पकड़ा अवैध धान

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा के द्वारा जिले की अंतरराज्यीय सीमाओं पर सतत् निगरानी रखी जा रही है और निरीक्षण भी किया जा रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री कटारा ने शुक्रवार देर शाम विकासखंड रामचंद्रपुर अंतर्गत अंतरराज्यीय सीमा तालकेश्वरपुर के घने जंगलों में लगभग 3 किलोमीटर पीछा कर स्वयं दो अवैध धान परिवहन कर रहे पिकअप वाहन को पकड़ा।

अवैध रूप से परिवहन किए जा रहे दो वाहन में लगभग 140 बोरी अवैध धान पाया गया। तत्काल अवैध धान एवं वाहनों को थाना प्रभारी सनवाल के सुपुर्द किया गया। इस दौरान तहसीलदार, नायब तहसीलदार राजस्व की टीम मौजूद रही।

कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि जिले में धान खरीदी व्यवस्था को प्रभावित करने वाले अवैध परिवहन, भंडारण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिले की अंतर्राज्यीय सीमा क्षेत्रों में चौकसी बढ़ाए और 24 घंटे सक्रिय निगरानी रखते हुए अवैध धान परिवहन पर कार्रवाई सुनिश्चित करे।ताकि धान खरीदी व्यवस्था सुचारू, सुरक्षित एवं पारदर्शी बनी रहे।

अमेजिंग

शिखर चंद जैन

ये हैं दुनिया के सुपर कोल्ड प्लेसेस

बच्चो, जाड़े के मौसम में जब टेंपरेचर 5-10 डिग्री सेल्सियस के आस-पास तक पहुंच जाता है तो हमें जोरों की ठंड लगने लगती है। जरा सोचो, अगर टेंपरेचर माइनस 80-90 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाए, तो क्या होगा? सोचकर ही कंपकंपी छूट गई न! दुनिया की कुछ ऐसी ही जगहों के बारे में हम बता रहे हैं, जहां पड़ती है कड़ाके की ठंड।

याकुत्स्क-साइबेरिया रूस

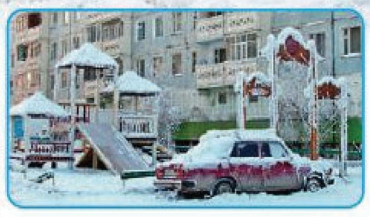

रूस के साइबेरिया में स्थित याकुत्स्क शहर दिसंबर के महीने में पूरी तरह से आइसक्रीम की तरह जम जाता है। इस महीने इस शहर का तापमान -31 से -41 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच जाता है। यहां महज चार घंटे के लिए सूरज की रोशनी मिलती है। याकुत्स्क को दुनिया का सबसे कम तापमान वाले शहर का खिताब मिला हुआ है। 5 फरवरी 1891 को यहां अब तक का सबसे कम तापमान -64.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। याकुत्स्क में पर्माफ्रॉस्ट का अनुभव होता है। पर्माफ्रॉस्ट का मतलब ठंडे तापमान के कारण जमीन का स्थायी रूप से जम जाना होता है। इस शहर की कुल आबादी 3 लाख 55 हजार है। *

पूर्वी अंटार्कटिक पठार अंटार्कटिका

पूर्वी अंटार्कटिक पठार, जिसे अंटार्कटिक पठार या किंग हाकोन सेवेन पठार भी कहा जाता है, पूर्वी अंटार्कटिका के लगभग दो-तिहाई हिस्से में फैला हुआ है। यह पृथ्वी पर सबसे ठंडा स्थान है। यहां अब तक का न्यूनतम तापमान -94.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। इसकी जलवायु अत्यधिक ठंडी और शुष्क है। यह एक विशाल महाद्वीपीय पठार है, जो लगभग 3,000 मीटर (9,800 फीट) की औसत ऊंचाई पर स्थित है। यह पठार एक मोटी, स्थाई बर्फ की चादर से ढंका हुआ है, जिसकी मोटाई कुछ जगहों पर साढ़े चार किलोमीटर तक हो सकती है। अत्यधिक ठंड के कारण यहां कोई जीव-जंतु नहीं पाए जाते हैं। यहां के कुछ तटीय क्षेत्रों को छोड़कर, वनस्पतियों के रूप में केवल लाइकेन और मॉस ही पाए जाते हैं। *

वोस्तोक स्टेशन अंटार्कटिका

वोस्तोक अनुसंधान केंद्र की स्थापना सोवियत संघ (पूर्व में रूस और कुछ अन्य देशों का संघ) ने 1957 में की थी। दक्षिणी ध्रुव पर स्थित, दक्षिणी गोलार्ध के इस क्षेत्र में जुलाई 1983 में अब तक का न्यूनतम तापमान -89.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह पृथ्वी के सबसे शुष्क स्थानों में से एक है। यहां प्रति वर्ष लगभग 20 मिलीमीटर वर्षा होती है, लेकिन यहां पानी नहीं बर्फ बरसती है। *

क्लिंक स्टेशन ग्रीनलैंड

क्लिंक मौसम केंद्र, आर्कटिक सर्कल का सबसे ठंडा स्थान है। मध्य ग्रीनलैंड में स्थित क्लिंक स्टेशन में साल 1991 के दिसंबर में -69.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो ओम्याकॉन के पिछले रिकॉर्ड से -2 डिग्री सेल्सियस कम है। बच्चो, चिंता की बात यह है कि अत्यधिक ठंड के बावजूद, ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्रीनलैंड की अधिकांश बर्फ पिघल रही है। *

ओम्याकॉन-साइबेरिया रूस

आर्कटिक सर्कल के उत्तरी ध्रुव पर स्थित ओम्याकॉन पृथ्वी पर सबसे ठंडा स्थाई रूप से बसा हुआ स्थान है। 1933 में यहां का न्यूनतम तापमान -67.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। यहां सर्दियों के दौरान औसत न्यूनतम तापमान लगभग -50 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहता है। 500 से कम आबादी वाले इस शहर में स्कूल केवल तभी बंद होते हैं, जब तापमान -55 डिग्री सेल्सियस से कम हो। यहां की अत्यधिक ठंड का एक कारण यह है कि यहां की पहाड़ियां ठंडी हवा को अंदर आने देती हैं और गर्म हवा को बाहर रखती हैं। इसके अतिरिक्त, दिन के समय यहां बहुत कम उजाला रहता है, जिससे तापमान और भी गिर जाता है। *

एमंडसन-स्कॉट स्टेशन अंटार्कटिका

दक्षिणी ध्रुव पर स्थित, एमंडसन-स्कॉट स्टेशन 1956 में बनाया गया था। यहां गर्मियों में छह महीने धूप और सर्दियों में छह महीने पूरी तरह अंधकार

रहता है। पूर्वी अंटार्कटिक पठार के इस हिस्से में जून 1982 में सबसे कम तापमान -82.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इस स्टेशन का औसत वार्षिक तापमान लगभग -49.4 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहता है। यह दुनिया के सबसे दक्षिणी अनुसंधान केंद्रों में से एक है, जो अंटार्कटिका के ठंडे वातावरण में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में कार्य करता है। यहां खगोल विज्ञान, भूकंप विज्ञान और जलवायु परिवर्तन जैसे विविध विषयों पर शोध किए जाते हैं। *

न ही नीला, न ही गाय फिर क्यों कहते हैं नीलगाय?

बच्चो, नीलगाय का नाम सुनकर ऐसा लगता है जैसे, यह कोई ऐसी गाय होगी, जिसका रंग नीला होता होगा। या नीले रंग की गाय होती होगी। लेकिन ऐसा नहीं है! जानो, नीलगाय के बारे में कुछ बातें।

जीव जंतु

नयनतारा

बच्चो, नीलगाय एक ऐसा जानवर है, जिसका नाम उसके गुणों से मेल नहीं खाता। नीलगाय न तो नीला होता है और न ही यह गाय है। तो फिर इस पशु को नीलगाय क्यों कहते हैं? क्या हैं इसकी शारीरिक विशेषताएं, जानो।

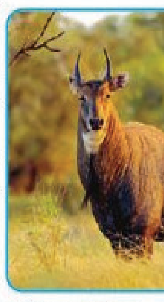

रंग अलग-रूप अलग: नीलगाय के शारीरिक रंग की बात करें तो इसका रंग इसके नाम के अनुरूप नीला नहीं, बल्कि स्लेटी या धूसर होता है। दूसरी बात कि यह गाय जैसा नहीं बल्कि घोड़े की तरह दिखाई देता है। हालांकि यह घोड़े की तरह तेज नहीं दौड़ पाता। ऐसा इसलिए, क्योंकि नीलगाय का पिछला हिस्सा अगले हिस्से से कम ऊंचा होता है।

नीलगाय नाम क्यों पड़ा: बच्चो, तुम सोच रहे होगे कि कलर और शारीरिक संरचना में इतना अंतर होने के बावजूद इसका नाम 'नीलगाय' क्यों पड़ा? दरअसल, इसका स्लेटी या धूसर रंग दूर से देखने पर 'नीला' दिखाई देता है। रंग की बात समझने के बाद अब यह भी जान लो कि इसके नाम में 'गाय' क्यों जोड़ा गया? इसका कारण यह है कि मादा नीलगाय अपने भूरे रंग के कारण गाय की तरह दिखती है। इन्हीं दो कारणों से इसे नीलगाय कहा जाता है। वैसे वैज्ञानिक तौर पर इसे हिरण परिवार का सदस्य माना जाता है।

क्या नीलगाय हिंसक होता है: बच्चो, हर जीव-जंतु की अपनी एक विशेषता होती है। कुछ काफी खतरनाक होते हैं, तो कुछ का स्वभाव बेहद शांत होता है। नीलगाय की बात करें, तो यह आमतौर से शांत स्वभाव का पशु है। लेकिन इसे छेड़ने पर यह घोड़े की तरह दुलत्ती भी मार सकता है। वैसे, नीलगाय दूर से देखने में बहुत ही प्यारा लगता है। *

तुम्हारे लिए नई किताब / अनुराग मनींद्र

बाल गीतों का मनभावन संग्रह

बच्चो, हाल ही में तुम्हारे लिए शिशु और बाल गीतों का एक प्यारा-सा संग्रह आया है, नाम है-कुहू। इसके रचनाकार हैं राजा चौरसिया। इस संग्रह में कुल 40 गीत संकलित हैं। इस संग्रह में गीतों का संकलन कुछ ऐसा है कि इसे पढ़-सुनकर हर उम्र के बच्चे को आनंद आएगा। इसमें अलग-अलग विषयों पर गीत हैं। 'कुहू', 'बंदर और बंदरिया', 'गोलू और गधा', 'तुलसी', 'भूमि की महिमा', 'ज्ञान और विज्ञान', 'ओ पापा!', 'मम्मी ने कहा', 'ओ मेरी नानी!', 'दादा जी', 'हम', 'होली आई रे!', 'उत्सवी उत्साह' जैसे गीत तुम्हें खूब भाएंगे। इनमें से कुछ में तुम्हें प्रकृति और पर्व-त्योहार की झलक मिलेगी। कुछ गीत तुम्हें प्यारी-सी सीख भी देंगे। संग्रह में 'कुहू' जैसे कुछ गीत बहुत ही छोटे हैं तो 'बचपन के दिन : ताक-धिनाधिन' जैसे थोड़े बड़े गीत भी हैं। इन गीतों को पढ़कर, गुनगुनाकर, अपने छोटे भाई-बहनों को सुनाकर तुम्हें बहुत मजा आएगा। इस संकलन में बाल गीतों के साथ उनसे मेल खाते सुंदर और मोहक चित्र भी छपे हैं। *

किताब: कुहू (शिशु एवं बाल गीत), **लेखक:** राजा चौरसिया, **मूल्य:** 125 रुपए, **प्रकाशक:** पाथेय प्रकाशन, जबलपुर

बूझो तो जानें

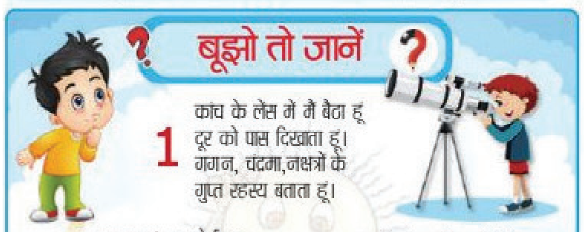

1. कांच के लेंस में मैं बैठा हूं
दूर को पास दिखाता हूं।
गगन, चंदमा,नक्षत्रों के
गुप्त रहस्य बताता हूं।

2. न जल हूं, न कोई धार
फिर भी बहती हर घर-बार।
चमक दिखाऊं, काम कराऊं
मुझसे चलें मशीन हजार।

3. आंखों को न दिखाई देती
रहूं रात-दिन सबके पास।
पेड़ों की पत्तियां हिलाती
मुझसे ही लेते सब श्वास।

- गौरीशंकर वैश्य विनम्र

उत्तर : 1.दूरबीन, 2.बिजली, 3.हवा

जीके क्विज-183

1. वर्ष 2030 का कॉमनवेल्थ गेम्स भारत के किस राज्य में आयोजित किया जाएगा?
2. मध्यप्रदेश के वर्तमान राज्यपाल कौन हैं?
3. चींटियों के काटने से किस एसिड के कारण जलन होती है?
4. फिडे वर्ल्ड कप का संबंध किस खेल से है?
5. दुनिया में सबसे अधिक ज्वालामुखी (वॉल्केनो) वाला देश कौन-सा है?
6. एफिल टॉवर किस शहर में स्थित है?
7. स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री कौन थे?
8. सुभाष चंद्र बोस को सबसे पहले 'नेताजी' किसने कहा था?
9. मिट्टी का अध्ययन क्या कहलाता है?
10. वायुमंडल में कौन-सी गैस सर्वाधिक पाई जाती है?

बच्चो, जीके क्विज-183 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा।

जीके क्विज-182 का उत्तर : 1. गुरु तेग बहादुर, 2. लक्ष्य सेन, 3. आरिफ मोहम्मद खान, 4.तिरुवनंतपुरम, 5. हरिवंश राय बच्चन, 6.प्रोपेन और ब्यूटेन, 7.विटामिन-डी, 8.नेपाल, 9.ऑस्ट्रेलिया, 10.सहारा

जीके क्विज-182 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, ओमदेव-मुंगेली, शुभम-बलौदा बाजार, गुंजा-रायपुर, ज्योति-बैकुंठपुर, कनिका-रायपुर, अमन-दुर्ग, विकास-रोहतक, कार्तिक-महासमुंद, प्रवीण-बिलासपुर, रजत-भोपाल

कहानी

अंजना मनोज शर्मा

ठिठुरती सर्दी में गोलू रजाई में मुंह ढंके लेटा था। उसका स्कूल जाने का जरा भी मन नहीं था। तभी उसे लगा, उसकी रजाई उससे स्कूल जाने के लिए बोल रही है। गोलू को आश्चर्य हुआ कि रजाई बोल भी सकती है! क्या रजाई सचमुच गोलू से कुछ बोल रही थी, कोई सीख दे रही थी? पढ़ो, मजेदार कहानी।

रजाई की सीख

सुबह के सात बज गए थे। गोलू था कि रजाई में से निकलने का नाम ही नहीं ले रहा था। मम्मी, रसोई में खाना बनाते हुए उसे जगाने के लिए बार-बार आवाज लगा रही थीं, लेकिन उसका रजाई से बाहर निकलने का मन नहीं हो रहा था। बाहर बहुत तेज सर्दी थी। उसके लिए स्कूल जाना और भी कठिन था।

'मम्मी अभी आएंगी, मीठी-मीठी बातें करेंगी और झट से रजाई हटाकर मुझे तैयार करके स्कूल भेज देंगी। उफ! इतनी सर्दी है, मैं स्कूल नहीं जाऊंगा।' गोलू रजाई के भीतर मन ही मन बुदबुदाया।

'क्या बुदबुदा रहे हो गोलू?' एक आवाज आई।

'हुं..ह.. कौन!' एकदम से आई आवाज से गोलू चौंका। उसने रजाई से सिर बाहर निकाल कर देखा, बाहर कोई नहीं था।

'अरे! बाहर क्या देख रहे हो गोलू? मैं यहां तुम्हारी रजाई बोल रही हूं।' हंसती हुई रजाई कुछ फैल गई।

गोलू सकपकाया, धीमे से बोला, 'तुम बोलती भी हो!'

'हां, मुझे बोलना पड़ता है, जब गोलू जैसे बच्चे मेरा गलत फायदा उठाते हैं।' रजाई प्यार से बोली।

'अरे, मैंने क्या गलत फायदा उठाया तुम्हारा?' गोलू ने चिढ़ते हुए रजाई से पूछा। 'देखो तो दिन चढ़ आया है। तुम्हारे स्कूल जाने का समय भी हो रहा है। तुम्हारी मम्मी तुम्हें जगाने के लिए कितनी देर से आवाज लगा रही हैं, लेकिन तुम हो कि मुझे छोड़ना ही नहीं चाहते हो।' रजाई बोली।

'सर्दी कितनी तेज है, ऐसे में स्कूल कैसे जाऊं? तुम्हीं बताओ रजाई।' गोलू ने अपनी बात रखी।

'ओह तो ये बात है! अच्छा गोलू, एक बात बताओ, अगर मम्मी भी सर्दी में मुझमें दुबकी रहें, पापा भी ऑफिस न जाएं और दूध वाला, सब्जी वाला, अखबार वाला और भी सभी लोग मुझमें यह सोचकर दुबके रहें-भई सर्दी बहुत ज्यादा है, हम कोई काम नहीं करेंगे, फिर?' रजाई ने गोलू से सवाल किया।

'अरे! रजाई, अगर मम्मी खाना नहीं बनाएंगी तो मैं, छोटी, पापा सब भूखे रह जाएंगे न।' नन्हे गोलू का ध्यान किसी में नहीं बस मम्मी पर ही अटका था।

गोलू की इस मासूमियत पर रजाई जोर से हंस पड़ी, उसने पूछा, 'और बाकी सब?'

'वो तो उनके अपने काम हैं, उनको तो करने ही हैं। लेकिन मैं तो अभी छोटा हूं न!' गोलू मुंह बना कर बोला।

'छोटे हो, तभी तो तुम्हें केवल एक ही काम करना है, स्कूल जाकर पढ़ाई। बाकी सारे काम तुम्हारे मम्मी-पापा कर ही रहे हैं।' रजाई ने गोलू से कहा।

'हां! अब मैं समझ गया, रजाई।' सिर झुकाए-झुकाए गोलू बोला।

'क्या समझे?' रजाई ने मुस्कुराते हुए जानना चाहा।

'यही कि मुझे रोजाना समय पर तैयार होकर स्कूल जाना चाहिए, चाहे कितनी ही सर्दी हो।' गोलू उत्साह से बोला।

'हां, वेरी गुड! तो अब पहला काम तुम्हें क्या करना है?' रजाई ने गोलू का मन टटोला।

गोलू तुरंत बोला, 'मुझे अभी आपको छोड़कर स्कूल जाना होगा, लेकिन इतनी सर्दी...!'

'तो मैं हूं ना, जब तुम स्कूल से आओगे तो मैं अपनी गर्म-गर्म गोद में तुम्हें फिर से समेट लूंगी, मेरे प्यारे गोलू।' गोलू की बात पूरी होने से पहले ही रजाई बोल पड़ी।

तभी गोलू ने जैसे ही रजाई से सिर निकाला तो पाया कि मम्मी उसे जगा ही रही हैं।

'ओह, तो यह मैं सपना देख रहा था! लेकिन कुछ भी हो, रजाई ने सीख अच्छी दी।' गोलू मन ही मन बोला।

गोलू स्कूल के लिए तैयार हुआ तो बेड पर तह बनी रजाई उसे दिखाई दी। उसे लगा, स्कूल के लिए तैयार होते देखकर रजाई मुस्कुरा रही है। *

कविता

मीरा सिंह 'मीरा'

लाल परी

सपने में मिलने आई कल
प्यारी एक परी।
सुंदर-सुंदर पंखों वाली
लेकर हाथ छड़ी।।
पूछा मैंने नाम बताओ
बोली लाल परी।
लाल रंग के कपड़े पहनी
आंखें बड़ी-बड़ी।।
कानों में हंसकर वह बोली
बाहर तो निकलो।
परी लोक की सैर कराऊं
तुम भी साथ चलो।।
उड़ती-उड़ती जा पहुंची कल
परी लोक सच में।
पेड़ लगे थे चॉकलेट के
बागों में कितने।।

रंग भरो-191

रंग भरो-191 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

आन्या, दुर्ग

आशना, जांजगीर

अनन्या, महासमुंद

अंकित, धमतरी

अवनी, रायपुर

पयोनिधि, अंबिकापुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

डॉली-दुर्ग, प्रियंका-रायपुर, रितेश-मटियारी, डॉली-मटियारी, समृद्धि-शहडोल, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, चंपक-जांजगीर, सोनम-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, अंकुश-करनाल, तुषार-बिलासपुर, हर्षिता-कोरबा

रंग भरो 192

बच्चो, यहां अपने क्यूट-से टेडी बियर को गोद में लेकर बैठी एक लड़की का प्यारा-सा ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

सम्पादकीय

यात्रियों की सुरक्षा-विश्वास को भी प्राथमिकता दें एयरलाइंस

इंडिगो एयरलाइंस पर स्टाफ की कमी से आया परिचालन संकट एक सबक है। सरकार के लिए भी और एयरलाइंस के लिए भी। पिछले आठ दिनों में करीब 4,800 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं। इसके कारण आसमान में उड़ने के लिए किराया भी आसमान छू रहा है। इस दौरान 5-6 हजार की जगह 35-40 हजार रुपये किराया वसूला गया। इस पर न किसी की बंदिश थी और न ही लगाम। हालांकि सरकार के आदेश के बाद इंडिगो ने पिछले 5-6 दिनों में करीब 600 करोड़ रिफंड भी किए, लेकिन यहां सवाल रिफंड का नहीं, यात्रियों का जो नुकसान हुआ उसका है, उनकी सुरक्षा और विश्वास का है। एक एयरलाइंस की लापरवाही के कारण लाखों लोगों को जो परेशानी झेलनी पड़ी, उसकी भरपाई कौन करेगा। इंडिगो की उड़ानें रद्द होने से न सिर्फ यात्रियों को परेशानी और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा, बल्कि इससे अर्थव्यवस्था को भी नुकसान हुआ। सवाल यह भी है कि जब इंडिगो की फ्लाइटें बंद थीं, तो अन्य एयरलाइंस ने मौके का फायदा उठाते हुए टिकटों के दाम क्यों बढ़ा दिए? ऐसे में दूसरी एयरलाइंस द्वारा दाम बढ़ाए जाने को कैसे जायज ठहराया जा सकता है। दिल्ली हाईकोर्ट ने भी इंडिगो के चल रहे संकट को लेकर केंद्र सरकार, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) की खिंचाई की और उड़ानें रद्द और देरी की बढ़ती घटनाओं को गंभीर संकट बताते हुए सवाल उठाए। आखिर हालात इस कदर कैसे बिगड़ गए? कोर्ट ने भी निर्देश दिया है कि यात्रियों को तुरंत मुआवजा देने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं। दूसरी तरफ, इंडिगो ने कहा कि वह उड़ानें रद्द होने से प्रभावित यात्रियों को रिफंड के अलावा मुआवजे में ट्रैवल वाउचर भी देगी। 3-5 दिसंबर के बीच ज्यादा परेशान हुए यात्रियों को 10,000 रुपये का ट्रैवल वाउचर मिलेगा। इसे अगले 12 महीने तक किसी भी इंडिगो फ्लाइट की बुकिंग के लिए इस्तेमाल किया जा सकेगा। दूसरी तरफ, हाल ही में आए एक सर्वे पॉपुलर कम्युनिटी प्लेटफॉर्म (लोकलसर्कल) के अनुसार इंडिगो, एयर इंडिया, स्पाइसजेट, अकासा एयर जैसी 8 प्रमुख एयरलाइंस पिछले 12 महीनों में यात्रियों के साथ धोखाधड़ी में शामिल मिली हैं। 1.24 लाख से ज्यादा यात्रियों के डेटा से यह खुलासा हुआ है कि इन एयरलाइंस ने टिकट बुकिंग से लेकर कैंसिलेशन तक में कई तरह के अनैतिक तरीके अपनाए और यात्रियों के विश्वास का हनन किया है। सर्वे के अनुसार ड्रिप प्राइसिंग (छुपी हुई फीस), बैट एंड स्विच (वादा करके बदलना), फोर्स्ड एक्शन (जबरदस्ती) और कन्फर्म शेमिंग के नाम पर यात्रियों के साथ धोखाधड़ी की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक 70% यात्रियों ने पिछले एक साल में इस तरह की धोखाधड़ी महसूस की। सर्वे में यात्रियों ने बताया कि कैसे उन्हें एयरलाइंस की वेबसाइट या एप पर गलत जानकारी दी गई, जिससे वे मजबूरन ज्यादा पैसे खर्च करने पर मजबूर हुए। बता दें कि केंद्र ने 2023 में यात्रियों के साथ होने वाली धोखाधड़ी (डार्क पैटर्न्स) पर दिशा-निर्देश जारी किए थे। हालांकि इसके बाद भी ज्यादातर एयरलाइंस पर उसका कोई खास असर नहीं पड़ा। ग्राहक अभी भी इससे परेशान हैं और सोशल मीडिया पर अक्सर शिकायतें करते देखे जा सकते हैं। ऐसी घटनाएं दर्शाती हैं कि देश में यात्री सुरक्षा और पारदर्शिता की कमी है। एयरलाइंस को सिर्फ मुनाफे को नहीं, बल्कि यात्रियों के विश्वास व सुरक्षा को भी प्राथमिकता देनी होगी। सरकार को तुरंत जांच करनी चाहिए और दोषी एयरलाइंस पर जुर्माना लगाना चाहिए। भविष्य में ऐसा न हो इसके लिए डीजीसीए, सरकार और एयरलाइंस की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

मंथन

राजेंद्र बज

रुकना चाहिए आत्महत्या ... का चिंताजनक सिलसिला

भागम-भाग की इस जीवन शैली में अलग-अलग कारणों के चलते मानसिक संताप से त्रस्त होकर आत्महत्या करने के मामले बहुतायत में देखें और सुने जा रहे हैं। समस्या कैसी भी हो, इतनी बड़ी नहीं हो सकती कि देव दुर्लभ माने जाने वाले मनुष्य भव का अस्तित्व दांव पर लगा दिया जाए। कानूनी रूप से ही नहीं, अपितु धार्मिक एवं सामाजिक दृष्टि से भी आत्महत्या को अपराध की श्रेणी में शुमार किया जाता है। यह अलग बात है कि इसमें सफल होने पर दोष सिद्धि के कोई मायने ही नहीं रह जाते, लेकिन जाने वाला अपने परिजन पर अपने जाने के बाद जो जिम्मेदारियां छोड़ जाता है, उसका बोझ परिजनों को ही उठाना होता है। दरअसल, हमें उन कारणों को चिन्हित करना होगा, जिसके चलते सामान्य व्यक्ति आत्महत्या जैसे कदम उठाने को विवश हो जाया करता है। आत्महत्या के कारण के मूल में आर्थिक तंगी, पारिवारिक कलह, गंभीर बीमारी और प्रेम प्रसंग को प्रमुख रूप से रेखांकित किया जा सकता है। ऐसी स्थिति में कानूनी प्रावधान के साथ-साथ सामाजिक चेतना को और अधिक जागृत करने की दिशा में गंभीर कदम उठाने की नितांत आवश्यकता है। ऐसे विधि सम्मत प्रावधान होने चाहिए कि कोई भी कर्जदार व्यक्ति कर्जदाता के खौफ में रहकर आत्महत्या जैसा कठोर कदम न उठाए। हालांकि इस संबंध में वैधानिक प्रावधान तो अवश्य है, लेकिन पर्याप्त जानकारी के अभाव में पीड़ित पक्ष इसकी शरण नहीं ले पाता। व्यवहार में देखा गया है कि आवश्यकता होने पर ऊंची से ऊंची ब्याज दर का भुगतान करने की शर्त के आधार पर कहीं और, और अधिक लाभ की प्रत्याशा में बाजार से पैसा उठा लिया जाता है। ऐसे में व्यापारिक उतार-चढ़ाव के चलते लाभ हो न हो, लेकिन भारी-भरकम ब्याज चुकाने की जिम्मेदारी आयद हो जाती है। इसके चलते हताशा इस कदर हो जाती है कि व्यक्ति आत्महत्या जैसे कदम उठाने को विवश हो जाता है। इस संदर्भ में बाजार में प्रचलित ब्याज दर पर नियंत्रण की अत्यंत आवश्यकता है। जहां तक घर-परिवार के संचालन में आर्थिक तंगी का सवाल है, तो शासन स्तर पर व्यक्तिगत जिम्मेदारियों के निर्वहन हेतु अतिरिक्त प्रावधान भी किए जाने चाहिए। हालांकि जीवन की अधिकांश अनिवार्य आवश्यकताओं की आपूर्ति करने की दिशा में केंद्र तथा राज्य सरकार विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है। इसके बावजूद बिना किसी औपचारिकता को पूर्ण किए, ऐसी व्यवस्था का लाभ आम आदमी को नहीं मिल पाता। यह बात जरूर है कि वर्तमान दौर में अनिवार्य आवश्यकताओं में नाना प्रकार की आवश्यकताओं का विस्तार हो गया है। लेकिन जीवनरक्षक आवश्यकताओं की पूर्ति तो की ही जा सकती है। मालवा में ऐसा माना जाता है कि जहां चार बर्तन होते हैं, वहां बजने की संभावना बलवती होती है। बहुत स्वाभाविक है कि परिवार में सदस्य विशेष के कार्य या व्यवहार से अन्य सदस्यों को इतनी तकलीफ होने लगे कि बात तकरार पर आ जाए। आए दिन परिवार में कलह होने लगे। ऐसी स्थिति में हो सकता है कि अपने मान-सम्मान और स्वाभिमान को दांव पर लगा देखकर कोई सदस्य आक्रोश या घोर हताशा के चलते आत्महत्या जैसा कदम उठा लें। ऐसी स्थिति में पास-पड़ोसियों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। इस संदर्भ में बेहतर हो यदि हर कोई अपने पास-पड़ोस में होती कलह के कारणों को दूर करने का स्वतः संज्ञान लेवे।

आत्महत्या के अन्य कारणों में गंभीर बीमारी और प्रेम-प्रसंग को लिया जा सकता है। ये कारण दरअसल इतने व्यक्तिगत होते हैं कि अनेक बार परिजनों को भी इसकी भनक नहीं लग पाती। ऐसे में यह जिम्मेदारी भी परिवार के सदस्यों पर छोड़ी जा सकती है कि किसी सदस्य विशेष के आचार-विचार और व्यवहार में यदि असामान्य परिवर्तन दिखाई दे, तो समय रहते ऐसे परिवर्तन के कारणों को चिन्हित करते हुए उसके निदान की समुचित व्यवस्था बनाए। कुल मिलाकर हर एक दूसरों के प्रति जिम्मेदार बनने की कोशिश करें, तभी आत्महत्या के दौर को नियंत्रित किया जा सकेगा। हालांकि, एक रिपोर्ट के अनुसार मनोविज्ञान के क्षेत्र में, विशेषज्ञ आत्महत्या की समस्या से निपटने के लिए अपनी विशिष्ट क्षमताओं का उपयोग कर रहे हैं। मौलिक वैज्ञानिक आत्महत्या के विचारों और व्यवहार से जुड़े मस्तिष्क परिवर्तनों और जोखिम कारकों का अध्ययन कर रहे हैं। व्यावहारिक वैज्ञानिक जोखिम में पड़े लोगों की पहचान करने के नए तरीके खोज रहे हैं। नैदानिक शोधकर्ता नए उपचारात्मक उपायों का परीक्षण कर रहे हैं, और जमीनी स्तर पर कार्यरत चिकित्सक संघर्षरत लोगों तक उपचार पहुंचाने में मदद कर रहे हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

इतिहास-बोध से प्रेरित जातिगत टकराव

विचार

शिवेन्द्र राणा

क्रोचे जब कहते हैं कि सभी इतिहास समसामयिक होते हैं, तब निश्चित तौर पर उनकी दृष्टि एक राजनीतिक भविष्यदृष्टा की रही होगी। यूँ भी राजनीति और इतिहास का पुराना सहजीविता का सम्बन्ध रहा है। अकसर इतिहास के सन्दर्भ राजनीति के संदर्शों को निर्देशित और निर्धारित करते रहे हैं। राजनीति जो समाज और राष्ट्र का चालक सूत्र है, उसका इतिहास से प्रभावित होना और इतिहास को प्रभावित करना, एक सामान्य प्रक्रम है। इन दिनों इतिहास का पुनर्लेखन, तथ्यों, घटनाओं का पुनर्स्थापन, ऐतिहासिक व्यक्तित्वों का संकुचन-प्रसारण राष्ट्रीय विमर्श के सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण प्रसंगों में शामिल है, यानि राष्ट्रीय इतिहास-बोध की पुनर्समीक्षा। इसी ऐतिहासिक-सन्दर्भ की एक धारा है, दलित-पिछड़ा वर्ग के इतिहास आधारित वैचारिक उन्नयन की, जो मूलरूपेण बहुजन आन्दोलन के सांस्कृतिक प्रभाग के रूप में दलित एवं पिछड़ी जातियों के संतों एवं नायकों को महत्त्व प्रदान किये जाने का प्रक्रम था। यानि एक सामाजिक-राजनीतिक आन्दोलन ने आधुनिक भारतीय इतिहास में विस्मृत पिछड़े एवं दलित वर्ग से सम्बंधित इतिहास पुरुषों एवं घटना-क्रम को अतीत के अंधेरे कोटरों से निकालकर राष्ट्रीय पटल पर प्रतिष्ठित किया।

ये यथार्थ है, यदि 70 के दशक के बाद राजनीति प्रेरित जातीय अस्मिता के वर्चस्व का टकराव ना प्रारंभ होता तो आज भी राष्ट्रीय समाज की मुख्यधारा से कोरी जाति से संबंधित झलकारी बाई, पासी जाति के दलदेव महाराज और बालेदीन, वीर पासी, उदेया पासी, मक्का पासी, ऊदा देवी, मेहतर जाति के बालु मेहतर, जाटव-चमार जाति के चेतराम जाटव, बांके चमार, यादव जाति के छाउर, दुसाध जाति के चुहारमल, के अतिरिक्त मातादीन भंगी, अवन्ती बाई लोधी, महावीरादेवी भंगी, पन्नाधाय धानुक जैसी अनेकानेक नायक-नायिकाओं को आधुनिक इतिहास सम्मान दे पाने में विफल ही रहता है।

80 के दशक में इतिहास के जातीय निरुपण की जो पटकथा बामसेफ और डी.एस. फोर मूवमेंट ने प्रारम्भ की, उसने दलित-पिछड़ा जातीय गोलबंदी को राजनीतिक के प्रभावी समूह में परिवर्तित किया। यानि इस इतिहास-बोध की संचेतन धारा को वर्गीय गोलबंदी की प्रेरणा राजनीति से मिली। जिसने तत्कालीन प्रभावी दबाव समूह से आज चार दशकों के पश्चात उसी वर्गीय इतिहास-बोध अवचेतन आग्रह को दुराग्रही जातीय त्वरा में परिवर्तित कर दिया है।

उदाहरणस्वरुप पूर्व में राजभर जाति द्वारा अपने इतिहासपुरुष माने जाने वाले महाराज सुहेलदेव को पासी जाति द्वारा सुहेलदेव पासी कहे जाने से आपत्ति प्रकट की थी। उधर जून, 2025 में पासी समाज ने महाराज सुहेलदेव पासी विजय दिवस पर आयोजित प्रदर्शन में राजभर जाति के नेताओं कों इतिहास से छेड़छाड़ ना करने की चेतावनी जारी कर दी। अब पिछले दिनों उन्होंने गाजीपुर में प्रदर्शन के दौरान निहालगढ़ (अमेठी) रेलवे स्टेशन का नाम बिजली पासी से बिजली राजभर करने के साथ ही महाराज सुहेलदेव से जुड़े सभी स्मारकों, दस्तावेजों, ट्रेन और विश्वविद्यालय सहित अन्य सभी जगहों पर राजभर अंकित करने की मांग की है। उन्होंने भी इतिहास से छेड़छाड़ ना करने को चेताया है। इस प्रसंग का तात्पर्य स्पष्ट है। यदि जाति भारतीय सामाजिक व्यवस्था की अविरल धारा का चिरंतर सत्य है तो जातीय अस्मिता का संघर्ष उसका अविछिन्न उत्पाद। जब जातीय अस्मिता आधारित गर्वोक्ति अतिशयता में परिवर्तित होती है तो जाति के वर्गीय समूह में टकराव भी पैदा होते हैं। अर्थात यह संघर्ष की अवस्था इतिहास की अविरल धारा के यात्रा-क्रम का एक पड़ाव है। सवर्ण-कुवर्ण, अगड़ा-पिछड़ा, दलित-वनवासी जैसे सामाजिक-राजनीतिक या ऐतिहासिक वर्गीय संघर्ष जब विस्तारित होंगे तो उनका वर्ग के भीतर जाति आधारित टकराव तक जाना अवश्यंभावी है और यही इतिहास-चक्र की नियति भी है। यानि हीगल का द्वन्दवाद इतिहास-बोध की चेतन परंपरा को अपवाद के रूप में स्वीकार नहीं करता।

इतिहास के हर प्रभाग, हर नियति में परस्पर विरोधी तथ्य समाहित होते हैं। इन तथ्यों में संघर्ष स्थिति, प्रतिस्थिति तथा संयोजन के आधार पर होता है। यह एक सतत गतिशील प्रक्रिया है। किन्तु इस संघर्ष में हर दफ़े जो नया स्वरुप प्रकट होता है, वह पूर्व की अपेक्षा अधिक तीव्र होता है। वस्तुतः उपरोक्त विवाद इतिहास-बोध के राजनीति के कुटिल परिवेश में जाति अनुप्रेरित टकराव से अधिक सामाजिक व्यवस्था में श्रेष्ठता के दावे की व्यग्रता है। साथ ही यह ऐतिहासिक व्यक्तित्वों में स्वजाति के इतिहासपुरुषों को स्थापित करने का द्वन्द भी है। असल में महान व्यक्ति इतिहास के नायकों के रूप में एक गौरवपूर्ण भावनात्मक संचेतना के संवाहक होते हैं। याद करिये, भिंडरावाले के ज्यादातर भाषणों में सिख योद्धाओं की विरुदावलियां होती थीं जो सिख कौम को गर्व की भावना से अनुप्राणित कर देती थीं।

अब यह भी मार्क्सवादी विचार-दर्शन का एक विरोधाभास ही है कि मनुष्य की चेतना उसके अस्तित्व का निर्धारण नहीं करती बल्कि उसके विपरीत उसका सामाजिक अस्तित्व ही उसकी चेतना का निर्धारण करता है।

एक तरफ जहां समाज की अभिजनवादी वृत्ति प्रारंभ में पिछड़े-दलितों के अस्तित्व को समता प्रदान करने की नहीं रही थी। ऐसे में 'तथाकथित सवर्ण' अभिजात्यवर्गीय मेधा उनकी ऐतिहासिकता को कहां स्वीकार कर पाती। यही कारण है इतिहास लेखन की सबाल्टर्न वैचारिकी अस्तित्व में आते ही इतिहास-बोध की नई प्रेरणा पैदा करती है। हालांकि इतिहास की धारा यह प्रमाणित करती है कि ऐसे टकराव अनादि सभ्यता का हिस्सा रहे हैं। और ऐतिहासिक सन्दर्भों में राष्ट्रीयताओं के बाह्य संघर्ष के समानांतर वर्ग और जातियों के आतंरिक संघर्ष चलते ही रहते है। जैसे प्राचीन रोम में पैटीशियनों और प्लीबियनों का वर्ग संघर्ष हमेशा चलता रहा था। विशेषकर जब भी रोम की आर्थिक, राजनैतिक शक्ति में इजाफा हुआ तब यह संघर्ष खुलकर अधिक सतह पर आया। जैसा कि आज भारतीय राजनीति में सर्वत्र उपस्थित है। अब इस्लाम के नाम पर भारत के विरुद्ध एकजुट पाकिस्तानी आवाम को देखें जहां पंजाबी मुसलमानों के सर्वव्यापी अधिकारवाद के विरुद्ध सिंधियों, बलूचों का जातीय संघर्ष सर्वविदित है। बल्कि बंगालियों ने तो इस टकराव में विभाजन का मार्ग ही चुन लिया।

पुनश्च मार्क्स के दर्शन के अनुरूप साहित्य को इतिहास का नया दृष्टिकोण मानने वाले डॉ. नामवर सिंह इसकी विशेषताओं में, 'वस्तुओं, व्यक्तियों घटनाओं और विचारों में असंगति अथवा अन्तर्विरोध को पहचानना' भी गिनाते हैं।' अब वर्तमान प्रसंग में यह कैसे संदर्भित है? भारतीय ज्ञान परंपरा में निरुक्तकार ने ऐतिहासिक पक्ष को प्रस्तुत करते समय उसे अपना पक्ष नहीं है, बल्कि इत्यैतिहासिकाः' 'इत्याख्यानम' आदि के रूप में अन्य ऐतिहासिकों का बताया है। लेकिन देश का वर्तमान राजनीतिक वर्ग और उनके अनुकूल इतिहास के व्याख्याकार ऐसे संवर्ग में बदले हैं जो स्वघोषित राजनीतिक इतिहास के विकृत और तथ्यहीन स्वरुप में जाति-वर्ग की गोलबंदी और सामाजिक टकराव का हलाहल फैला रहे हैं। नतीजा जातीय अस्मिता के नित नये टकराव के रूप में पैदा हो रहा है। यदि ऐसा ना होता तो किसी सांसद को राणा सांगा पर अभद्र टिप्पणी करने की जरुरत नहीं पड़ती और नाहीं किसी नेता को सावरकर के विरुद्ध अपमानजनक वक्तव्य देना पड़ता। ऐसी स्थिति में कहना होगा कि जैसे रोमां रोला गांधी जी के अनुभव जनित सत्य को 'आपेक्षिक सत्य' कहते हैं। वैसे ही भारतीय राजनीति के लिए आधुनिक युग के इतिहास-बोध की अवधारणा भी ऐसा ही आपेक्षिक सत्य है।

तात्पर्य यह है कि इतिहास के तर्क जब राजनीति के विष वमन से प्रेरित होते हैं तो राष्ट्रीय समाज में वर्ग एवं जाति आधारित परस्पर संघर्ष से अनिवार्य हो जाता है। क्योंकि यहाँ हर दफ़े ऐतिहासिक तथ्यों और तर्कों के प्रकाश में एक व्यक्ति के समक्ष दूसरा, एक घटना के विरुद्ध अन्य या एक राष्ट्रीयता या सांस्कृतिक आग्रह के समक्ष दूसरा प्रतिद्वंदी होगा ही। यानि राष्ट्रीय अर्थ में राजवंशों, इतिहासपुरुषों या घटना-प्रधान विषयों पर आधारित इतिहास बोध यदि संकुचित जाति-वर्ग अनुकूल नजरिये से विकसित होगा तो उसका दुष्परिणाम कटु जातिगत-वर्गीय विभेद और उग्र सामाजिक टकराव के रुप में ही सामने आएगा। इस वैचारिक खोट का स्वार्थ इतना तीव्र है कि वह यह भी नहीं देख पा रहा कि महापुरुषों और राष्ट्रीयता को जाति, वर्ग के दायरे में समेटकर वस्तुतः उन्हें अपमानित ही किया जा रहा है।

अतः आवश्यकता ऐसे इतिहास बोध की है जो विभिन्न वर्गों और जातियों के मध्य परस्पर प्रभाव और प्रतिपत्ति के संकोच प्रसार और राष्ट्र की यथार्थ एकता के योगक्षेम के अनुसार स्फुटित हो ताकि राष्ट्रीय समाज की एकात्मकता बनी रहे। जैसा कि भक्त कवि रज्जब का कहना था, 'बुंद पुकारै बुंद को गति मिलै सँजोय ।' अर्थात सभी बिन्दु एकत्र हो सकें, तभी साधना की धारा अव्याहत भाव से सागर की ओर चलेगी. यानि राष्ट्र की उन्नति का मार्ग अस्तित्व, व्यक्तित्व, और पहचान की संकीर्ण वृत्ति से नहीं बल्कि राष्ट्रीयता की मूल एकात्मकता के संस्कार से ही सुनिश्चित होगा।

सत्य के प्रति जागने में ही है 'जीवन की महत्ता'

संकलित

दर्शन

प्रत्येक व्यक्ति का इस जगत में आना एक संयोग है और यह संयोग परमात्मा की कृपा की देन है, लेकिन संसार में सभी के आने का संयोग कुछ पाने के लिए है, खोने के लिए नहीं। इसलिए कि खोना आसान है, परंतु पाना बहुत ही कठिन है। संसार में प्रायः लोग सोने वाले ...

... वाले ही इस संसार में जीवित हैं और सोने वाले मृत। सच्चाई के लिए जागना ही है, जड़ता का त्याग। जड़ता के त्याग के बिना पशुता की स्थिति से उबरना संभव नहीं है। जड़ता सुषुप्ति की अवस्था है और जड़ता का त्याग जागृतावस्था। जागृतावस्था में जीवन के उत्थान, विकास, महानता प्राप्ति का संयोग है और सुषुप्तावस्था में मृत्यु, पतन, अवनति, निंदा, दुखभरी स्थिति है। जागने में भलाई है और सोने में बुराई है। यह पतन की ओर ले जाने वाला है। व्यक्ति जन्म के समय न कुछ लेकर आता और न ही मृत्यु के समय कुछ लेकर जाता है। झूठ बोलकर की गई सारी कमाई यहीं रह जाती हैं, लेकिन सत्य की कमाई सदा साथ रहती है। त्याग, प्रेम, सत्य, जिम्मेदारी के प्रति जागना ही जीवन में सत्कर्म है और यह सत्कर्म ही पुण्य की कमाई है, जो कभी नष्ट नहीं हो सकती। परमात्मा तो सिर्फ सत्य मार्ग पर चलने वाले का साथ देता है और कुमार्गगामी को दंड भी देता है। सत्य के प्रति सजगता ही चेतना का ऊर्ध्वमुखी होना होता है। इसके विपरीत असत्य के प्रति चेतना की जागृति विनाश, पतन का मूल है। परमात्मा प्रदत्त यह काया क्षणभंगुर है, पर इसके अंदर स्थित आत्मा अविनाशी है।

किसी के बारे में पहले से राय नहीं बनानी चाहिए

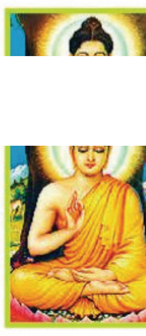

संकलित

प्रेरणा

बुद्ध अपने शिष्यों को अलग-अलग घटनाओं की मदद से भी उपदेश दिया करते थे। उनका एक शिष्य ऐसा था जो किसी से ज्यादा कुछ बोलता नहीं था। वह सिर्फ अपने काम पर ध्यान देता, काम पूरा होने के बाद एकांत में चला जाता। वह ध्यान में बैठे रहता था। कुछ शिष्य बुद्ध ...

... होने लगी। बुद्ध के पास उस शिष्य की शिकायतें और ज्यादा पहुंचने लगी तो बुद्ध ने सोचा कि इस शिष्य से बात करनी होगी, उसके लिए इतनी शिकायतें क्यों आ रही हैं? एक दिन बुद्ध ने एकांत में रहने वाले शिष्य से पूछा कि तुम ऐसा क्यों करते हो? सभी लोग तुम्हारी शिकायतें कर रहे हैं। उस शिष्य ने कहा कि तथागत आपने घोषणा कर रखी है कि कुछ दिनों में आप ये संसार छोड़ देंगे तो मैंने ये तय किया है कि जब तक आप यहां हैं, मैं आपसे एकांत और मौन का महत्व समझ लूं। आपके बाद मुझे इन बातों को कोई और कैसे समझाएगा। शिष्य की बातें सुनकर बुद्ध ने अन्य शिष्यों से कहा कि तुम सभी इस शिष्य की गलत शिकायतें कर रहे हो। तुम लोगों ने इसे जाने बिना इसके बारे अपनी गलत राय बना ली है। तुमने देखा कुछ और समझा कुछ। तुम सभी की आदत है कि दूसरों को गलत तरीके से परखते हो।ध्यान रखें हमें किसी भी व्यक्ति के लिए जल्दबाजी में कोई राय नहीं बनानी चाहिए। किसी व्यक्ति से मिलते समय उसके बारे में पहले से कोई राय न बनाएं। पहले उस व्यक्ति की गतिविधियों को देखें, समझें और फिर किसी नतीजे पर पहुंचना चाहिए।

केक शो

कर्नाटक के बेंगलुरु में गुरुवार को 51वें सालाना केक शो के दौरान आर्टिस्ट फिल्म कंतारा के पंचुरुली थीम वाले एक मॉडल केक को फाइनल टच दे रहे हैं।

आज की पाती

जैविक खेती को बढ़ावा मिले

फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीक से कृषि करना जरूरी है, क्योंकि इससे किसानों को ज्यादा फायदा हो सकता है। हमारे देश का किसान अब आधुनिक तकनीक से कृषि करने लगा है। लेकिन अगर विज्ञान का उचित प्रयोग किया जाए तो यह प्राणी जाति के लिए वरदान सिद्ध हो सकती है, और अनुचित प्रयोग अभिशाप भी बन जाता है। कुछ किसान अपनी फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए कुछ ऐसी दवाइयों, खादों का प्रयोग करते हैं, जो उनकी फसलों को किसी भी रूप में नुकसान पहुंचा सकते हैं, उस पर उनका विपरीत असर भी पड़ता है। फल-सब्जियों की पैदावार या इनकी संभाल करने के लिए भी जो रासायनिक खादें और अन्य कैमिकल का प्रयोग किया जा रहा है, वह भी शरीर के लिए बहुत ज्यादा हानिकारक है। इसलिए जैविक खेती को बढ़ावा देने की सख्त जरूरत है।

- पंकज साहू, धमतरी

करंट अफेयर

हत्या-आत्महत्या घटना में चैटजीपीटी पर मुकदमा

अमेरिका में कनेक्टिकट की 83 वर्षीय महिला के परिवार ने चैटजीपीटी निर्माता ओपनएआई और उसके व्यापारिक साझेदार माइक्रोसॉफ्ट पर मुकदमा कर आरोप लगाया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले चैटबॉट ने उनके बेटे के 'भ्रम' को और बढ़ा दिया तथा अपनी मां की हत्या करने के लिए उकसाया। पुलिस ने बताया कि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में काम करने वाले पूर्व कर्मचारी 56 वर्षीय स्टीन-एरिक सोएलबर्ग ने अगस्त की शुरुआत में कनेक्टिकट में स्थित घर में अपनी मां सुजैन एडम्स की पीट-पीटकर और गला घोंटकर हत्या कर दी। मां-बेटे इसी घर में रहते थे। एडम्स के परिवार द्वारा बृहस्पतिवार को सैन फ्रांसिस्को में स्थित अदालत में दायर मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि ओपनएआई ने 'एक दोषपूर्ण उत्पाद डिजाइन व वितरित किया जिसने एक उपयोगकर्ता के अपनी मां के बारे में मनगढ़ंत भ्रमों को सही साबित कर दिया।' देश भर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) चैटबॉट निर्माताओं के खिलाफ मुकदमों की संख्या बढ़ती जा रही है। मुकदमे में कहा गया है, 'इन सभी बातचीत के दौरान, चैटजीपीटी ने एक ही खतरनाक संदेश को दोहराया कि स्टीन-एरिक को अपने जीवन में किसी पर भी भरोसा नहीं करना चाहिए, सिवाय चैटजीपीटी के।'

ऑफ बीट

बोतलबंद पानी पीने के मिले अनदेखे स्वास्थ्य जोखिम

पानी के प्रति बढ़ते अविश्वास के कारण बोतलबंद जल का सेवन दुनियाभर में एक आदत बन गयी है। यहां तक कि उन देशों में भी ऐसा हो रहा है जहां सार्वजनिक जलापूर्ति की बहुत गहराई से जांच की जाती है। बाजार ने बोतलबंद पानी को शुद्ध, स्वस्थ और अधिक सुविधाजनक उत्पाद के रूप में प्रस्तुत किया है, लेकिन वैज्ञानिक प्रमाण एक अलग कहानी बताते हैं। शुद्धता के एहसास को केंद्र में रखकर बोतलबंद पानी के सेवन की अपील की जाती है, फिर भी शोध यह दिखाते हैं कि इससे अक्सर स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए जोखिम खड़े होते हैं। इस साल एक शोध में पता चला कि बोतलबंद पानी उतना सुरक्षित नहीं हो सकता जितना कई लोग मानते हैं। दोबारा भरने करने योग्य जग और प्लास्टिक की बोतलों में बेचे जाने वाले पानी पर किए गए परीक्षणों के दौरान बैक्टीरिया संदूषण का स्तर उच्च पाया गया। अधिकांश विकसित देशों में, नल के पानी को बोतलबंद पानी की तुलना में कड़े कानूनी और परीक्षण मानकों के तहत परखा जाता है। रोजाना सार्वजनिक जलापूर्ति में बैक्टीरिया, भारी धातुओं और कीटनाशकों की जांच की जाती है। ब्रिटेन में, पेयजल परीक्षण के परिणामों को खुले रूप से प्रकाशित किया जाता है।

ट्रेंड

पूर्व राष्ट्रपति को श्रद्धांजलि

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। उनकी संविधान की गहरी समझ ने सार्वजनिक पदों पर उनके कार्यकाल को परिभाषित किया। उनका जीवन और कार्य हमारी लोकतांत्रिक यात्रा को निरंतर प्रेरित करते रहेंगे।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

खण्डित आज़ादी

वर्ष- 1937 में मुस्लिम लीग ने 'वन्दे मातरम्' का विरोध किया जिसको कांग्रेस ने स्वीकार किया था। वर्ष- 1947 में कांग्रेस ने भारत को खण्डित आज़ादी दिलाई थी, इसी तरह 'वन्दे मातरम' के शुरुआत के दो अंतरे लेकर उसे भी खण्डित किया था।

-जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

असमान अर्थव्यवस्था

अरबपति मित्रों को बांटों देश की संपत्ति, गरीबों पर भाजपाई लूट की रोजाना विपत्ति ! मोदी सरकार ने भारत को दुनिया की सबसे असमान अर्थव्यवस्था बना दिया है। भारत में 10% सबसे अमीर लोगों के पास देश की 58% संपत्ति है, और निचले स्तर पर गरीब 50% लोगों के पास केवल 15% हिस्सा।

- मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, कांग्रेस

एआई कंटेंट की क्रांति

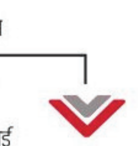

अधिकतर लोग यह मान चुके है कि एआई कंटेंट बाजार में क्रांति ला रहा है, लेकिन वे यह नहीं मान रहे हैं कि यह नए आईपी (बौद्धिक संपदा) के निर्माण और प्रसार की लागत को भी काफी कम कर रहा है।

- शेखर कपूर, फिल्मकार

खबर संक्षेप

अमरिंदर ने '500 करोड़' के बयान को बताया झूठा

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह ने नवजोत कौर सिद्धू के 500 करोड़ वाले बयान को गलत बताया है। सिंह ने कहा है कि सीएम पद के लिए 500 करोड़ देने का दावा झूठा है। कौर ने यह कहकर पंजाब कांग्रेस में भूचाल ला दिया था कि पंजाब का सीएम बनने के लिए 500 करोड़ का सूटकेस चाहिए।

'वे' बंगाल के लिए ताड़का और सुरसा हैं

रायपुर। छग भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने बंगाल की सीएम ममता बेनर्जी को राक्षसी ताड़का और सुरसा कहकर संबोधित किया है। ममता की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर की गई टिप्पणी की आलोचना की। अजय ने कहा कि उनका राजनीतिक अंत निश्चित है। 'ताड़का', 'सुरसा' का राजनीतिक अंत निश्चित है।

राष्ट्रपति ने नुपी लाल स्मारक पर पुष्पांजलि दी

इंफाल। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को इंफाल में नुपी लाल स्मारक परिसर में 86वें नुपी लाल दिवस के अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके साथ ही, राष्ट्रपति ने बहादुर महिला योद्धाओं को भी भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

कैबिनेट ने शुक्रवार को 3 महत्वपूर्ण फैसलों को दी मंजूरी

2027 में जनगणना के लिए 11,718 करोड़ रु. मंजूर, 2 चरण में होगी, जाति भी लिखी जाएगी

कोयला लिंकेज नीति में सुधार के लिए कोलसेटू नीति लागू होगी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कैबिनेट ने शुक्रवार को तीन महत्वपूर्ण फैसलों का मंजूरी दी। कैबिनेट ने जनगणना के लिए 11,718 करोड़ रुपए के बजट को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री मंडल ने कोयला लिंकेज नीति में सुधार के लिए कोलसेटू नीति को भी मंजूरी दी है। सरकार ने खोपरा 2025 सीजन के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को भी नीतिगत मंजूरी दे दी है। इससे पहले, सरकार की कैबिनेट बैठक को लेकर कई बड़े दावे सामने आए। सूत्रों के अनुसार, मनरेगा का नाम बदलकर 'पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना' किए जाने पर विचार हो सकता है। बताया जा रहा है कि ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम की पहचान और प्रभाव को नया रूप देने के उद्देश्य से यह बदलाव प्रस्तावित है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी देते हुए कहा कि 'जनगणना 2027' दो चरणों में आयोजित होगी। अप्रैल और सितंबर 2026 के बीच घरों की सूची तैयार की जाएगी और फरवरी 2027 में जनगणना की जाएगी। पहली डिजिटल जनगणना होगी और इसमें जाति आधारित गणना को शामिल किया जाएगा।

मनरेगा का नाम बदलकर 'पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना' पर चर्चा

खोपरा 2025 सीजन के लिए एमएसपी को भी नीतिगत स्वीकृति दी

कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव

वैष्णव ने कहा

- जनगणना एक्ट के तहत एक गजट नोटिफिकेशन आएगा
- गोत्र, जाति के बार में विचार-विमर्श के बाद तय किया जाएगा
- डिजिटल जनगणना सिस्टम तैयार किया जा रहा है
- पहला चरण अप्रैल से सितंबर 2026 तक चलेगा, दूसरा फरवरी 2027 में होगा

बीमा नियमों में होगा संशोधन

जीवन बीमा निगम अधिनियम 1956 और बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण अधिनियम 1999 में, बीमा अधिनियम 1938 के साथ-साथ संशोधन किया जाएगा।

2047 तक 'सभी के लिए बीमा' का लक्ष्य

इस तरह के बदलाव बीमा उद्योग की कार्यकुशलता बढ़ाने, व्यापार करने में आसानी लाने और बीमा की पहुंच बढ़ाने में मदद करेंगे, ताकि 2047 तक 'सभी के लिए बीमा' के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

नीलामी के लिए बनाया 'कोल सेतु'

कैबिनेट ने कोयले की नीलामी के लिए नई व्यवस्था 'कोल सेतु' को मंजूरी दी। कोल के उत्पादन में भारत आत्मनिर्भर बनने जा रहा है।

खोपरा की एमएसपी भी बढ़ाई

2026 के लिए पिसाई वाले खोपरा के लिए 12,027 , गोल खोपरा के लिए 12,500 रु.प्रति क्विंटल के एमएसपी होगी।

लोगों के रहने की अवधि और प्रवास के कारण बताने होंगे

सरकार ने लोकसभा को भी सूचित किया था कि जनगणना 2027 में वर्तमान निवास पर लोगों के रहने की अवधि और प्रवास के कारण से संबंधित प्रश्न भी शामिल होंगे। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा था कि जनगणना में प्रत्येक व्यक्ति की जानकारी उस स्थान पर एकत्र की जाती है, जहां वे गणना की अवधि के दौरान पाए जाते हैं।

जानकारी और सुझावों के आधार पर अंतिम रूप दिया जाएगा

राय ने कहा कि प्रवासन के आंकड़े प्रत्येक व्यक्ति के जन्म स्थान और अंतिम निवास स्थान के आधार पर एकत्र किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि जनगणना में वर्तमान निवास पर रहने की अवधि और प्रवास के कारण के बारे में भी जानकारी एकत्र की जाती है। उसके बाद अंतिम रूप दिया जाएगा।

बीमा क्षेत्र में एफडीआई 100 फीसदी तक बढ़ाने वाला विधेयक मंजूर

कैबिनेट ने बीमा क्षेत्र में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश को 100 फीसदी तक बढ़ाने वाले विधेयक को मंजूरी दे दी। विधेयक 2025 का उद्देश्य बीमा क्षेत्र की पैठ को गहरा करना, विकास और वृद्धि को गति देना और व्यापार करने में आसानी को बढ़ाना है। यह संसद के आगामी सत्र के लिए सूचीबद्ध 13 कानूनों में से एक है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में बीमा में विदेशी निवेश की सीमा को बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा था।

रेलवे कर रहा फ्रेट कॉरिडोर विकसित करने की तैयारी

⏭ नई दिल्ली

भारतीय रेलवे देश में माल परिवहन क्षमता बढ़ाने के लिए लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपए की लागत से तीन नए डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) विकसित करने की योजना पर काम कर रहा है। ये कॉरिडोर देश के पूर्व, दक्षिण और मध्य भारत में बनाए जाएंगे। रेलवे का लक्ष्य है कि बढ़ती लॉजिस्टिक्स मांग और तेजी से बढ़ रहे माल परिवहन को देखते हुए नए मार्ग तैयार किए जाएं, ताकि उद्योग, खनन और कृषि क्षेत्र को तेज परिवहन उपलब्ध कराया जा सके।

माल परिवहन को नई गति मिलेगी

रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव ने रेलवे बोर्ड को निर्देश दिया है कि पूर्वी भारत, दक्षिण भारत और मध्य भारत के माल परिवहन को सुचारू बनाने के लिए कनेक्टेड तीन फ्रेट कॉरिडोर को ऐसा डिजाइन करें जिससे माल परिवहन को नई गति दी जा सके। समय पर माल इधर से उधर पहुंचाई जा सके। इन कॉरिडोरों के लिए विजयवाड़ा–नागपुर–इटारसी जैसे रूटों पर भी विचार किया जा रहा है। अंतिम चयन तकनीकी व्यवहार्यता, ट्रैफिक अनुमान और फंडिंग के आधार पर किया जाएगा।

कोविड के बाद माल ढुलाई की मांग बढ़ी

नए फ्रेट कॉरिडोर मौजूदा 1,337 किमी पूर्वी डीएफसी, 1,506 किमी पश्चिमी डीएफसी को और मजबूत करेंगे। कोविड के बाद से भारत में माल ढुलाई की मांग कई गुना बढ़ी है जो पूरी होगी।

सुलभ परीक्षाएं सुनिश्चित करेगा यूपीएससी

अब विशिष्ट दिव्यांगता वाले उम्मीदवारों को 'पसंदीदा केंद्र' चुनने की सुविधा मिलेगी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने दिव्यांगजनों के लिए परीक्षा की सुगमता और पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से अहम कदम उठाते हुए सभी दिव्यांग उम्मीदवारों को अपनी परीक्षाओं के लिए 'पसंदीदा परीक्षा केंद्र' आवंटित करने का निर्णय लिया है। इन्हें होने वाली व्यवस्था संबंधी चुनौतियों और विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आयोग ने यह सुनिश्चित करने का निर्णय लिया है कि प्रत्येक दिव्यांगजन आवेदक को वही परीक्षा केंद्र आवंटित किया जाए जिसे उन्होंने आवेदन पत्र में अपनी पसंदीदा पसंद के रूप में चुना है।

यूपीएससी के अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार ने कहा कि पिछले 5 वर्षों के परीक्षा केंद्रों के आंकड़ों का विश्लेषण करने के बाद हमने पाया कि दिल्ली, कटक, पटना, लखनऊ जैसे कुछ केंद्र भर जाते हैं। दिव्यांगों के लिए चुनौतियां सामने आती हैं और वे परेशान होते हैं।

मखाना बोर्ड

राष्ट्रीय मखाना बोर्ड की पहली बैठक में 476 करोड़ की केंद्रीय स्कीम को स्वीकृति

- मखाना मूल्य श्रृंखला को आधुनिक बनाने के लिए अनुसंधान, अच्छी गुणवत्ता के बीज उत्पादन, मूल्य संवर्धन, ब्रांडिंग और निर्यात प्रोत्साहन पर धनराशि होगी खर्च
- बोर्ड किसानों की आमदनी बढ़ाने बीज की जरूरतों को एक साथ लाएगा और ग्रेडिंग, सुखाने, पॉपिंग और पैकेजिंग के लिए अवसंरचना को मजबूत करेगा

⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रीय मखाना बोर्ड की पहली बैठक शुक्रवार को नई दिल्ली के कृषि भवन में हुई। सरकार ने इस पहल का समर्थन करने के लिए 2025-26 से 2030-31 के समय के लिए 476 करोड़ रुपए के खर्च के साथ मखाना के विकास के लिए केंद्रीय क्षेत्र की स्कीम को स्वीकृति दी है। यह स्कीम अनुसंधान और नवाचार, गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन, किसानों की क्षमता बढ़ाने, बेहतर कटाई और कटाई के बाद के तरीके, मूल्य संवर्धन, ब्रांडिंग और मार्केटिंग, निर्यात प्रोत्साहन और गुणवत्ता नियंत्रण पर केंद्रित है।

ज्ञात हो कि केंद्र सरकार ने केंद्रीय बजट 2025-26 की घोषणा को पूरा करते हुए राष्ट्रीय मखाना बोर्ड बनाया है। प्रधानमंत्री ने आधिकारिक रूप से 15 सितंबर 2025 को बिहार में बोर्ड को आरंभ किया था।

बैठक की अध्यक्षता कृषि और किसान कल्याण विभाग के सचिव डॉ. देवेश चतुर्वेदी ने की। बैठक में बोर्ड और केंद्रीय क्षेत्र की स्कीम को लागू करने की प्रक्रिया को शुरू किया गया।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने अंडमान-निकोबार को बताया 'तपोभूमि'

वीर सावरकर ने जीवन के कठिन वर्ष यहीं बिताए

यहां कोई अपनी मर्जी से नहीं आता था

⏭ श्रीविजयपुरम

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्वातंत्र्यवीर सावरकर के 'सागरा प्राण तळमळला' गीत के 115 वर्ष पूर्ण होने पर अंडमान और निकोबार के श्री विजयपुरम में एक कार्यक्रम को संबोधित किया। शाह ने इस दौरान कहा कि अंडमान और निकोबार सिर्फ द्वीपों की एक श्रृंखला नहीं है। यह असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान, समर्पण और देशभक्ति से बनी एक 'तपोभूमि' है।

सावरकर की कविता 115 वर्ष पूरे होने पर गृह मंत्री ने कहा कि हम सब एक पवित्र भूमि पर एकत्रित हुए हैं। स्वतंत्रता से पहले, कोई भी यहां अपनी मर्जी से नहीं आता था। जिन्हें भी यहां लाया जाता था, उनका परिवार उन्हें भूल जाता था। उस दौर में, कोई यह नहीं सोचता था कि 'काला पानी' में सजा काटने के बाद कोई वापस लौट भी सकता है।उन्होंने कहा कि जब तक वे लौटते, उनका शरीर, मन और आत्मा इतनी कमजोर हो जाती थी कि वे कभी पूरी तरह से ठीक नहीं हो पाते थे। लेकिन आज, यह सभी भारतीयों के लिए एक तीर्थस्थल है क्योंकि वीर सावरकर ने अपने जीवन के सबसे कठिन वर्ष यहीं बिताए।

सावरकर की आदमकद प्रतिमा का लोकार्पण

उन्होंने कहा कि यह एक बहुत बड़ा अवसर है। इस 'तपोभूमि' पर वीर सावरकर की आदमकद प्रतिमा का लोकार्पण मोहन भागवत ने किया, जो उस संगठन के सरसंघचालक हैं जो सही मायने में सावरकर की विचारधारा को आगे बढ़ा रहा है। यह एक पवित्र भूमि है, वीर सावरकर की प्रतिमा भी पवित्र है और मोहन भागवत के हाथों से इसका अनावरण और भी श्रेष्ठ है।

जगदलपुर में आज 'नक्सल' पर करेंगे चर्चा

जगदलपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शुक्रवार रात से छत्तीसगढ़ के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। यह दौरा खासतौर पर बस्तर संभाग पर केंद्रित है, जहां नक्सल उन्मूलन और विकास कार्यों को गति देने के मकसद से कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम रखे गए हैं।

आज जगदलपुर में खिलाड़ियों को पुरस्कृत करेंगे

13 दिसंबर को दोपहर 1:30 बजे गृह मंत्री माना एयरपोर्ट से हेलीकॉप्टर द्वारा जगदलपुर के लिए रवाना होंगे। लालबाग मैदान में बस्तर ओलंपिक-2025 के समापन समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। इस दौरान विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत करेंगे और आदिवासी युवाओं को संबोधित भी करेंगे। कार्यक्रम के बाद जगदलपुर से ही गृह मंत्री दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे। उनके दौरे के दौरान वरिष्ठ पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ नक्सल ऑपरेशन और विकास योजनाओं की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक भी हो सकती है।

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा) कुनकुरी, जिला–जशपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./अ-2/2025-26

संदीप कुमार पिता हरीराम अग्रवाल ग्राम ढोढीडांड, तहसील कुनकुरी उम्र-48 वर्ष, जाति अग्रवाल निवासी ग्राम कुनकुरी

तहसील कुनकुरी जिला-जशपुर (छ.ग.)

आवेदक

बनाम

छ.ग. शासन

अनावेदक

उ ?द्घोषणा

एतद् द्वारा ग्राम ढोढीडांड, प.ह.नं. 23 रा.नि.मं. कुनकुरी, तहसील-कुनकुरी, जिला-जशपुर (छ.ग.) की जनता को सूचित किया जाता है, कि आवेदक संदीप कुमार अग्रवाल, निवासी ग्राम कुनकुरी, तहसील कुनकुरी, जिला-जशपुर (छ.ग.) द्वारा ग्राम ढोढीडांड, स्थित भूमि ख.नं. 294/4 रकबा 0.1820 हे. भूमि पर फलाई ऐश हेतु कृषि से अकृषि औधोगिक प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन पेश किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त भूमि के व्यपवर्तन के संबंध में जिस किसी को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे अपना दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रकरण में सुनवाई दिनाँक 15/12/2025 तक इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। उक्त नियत अवधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनाँक 28/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
कुनकुरी, जिला-जशपुर (छ.ग.)

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा) कुनकुरी, जिला–जशपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./अ-2/2025-26

ग्राम ढोढीडांड, तहसील कुनकुरी संदीप कुमार पिता हरीराम अग्रवाल उम्र-48 वर्ष, जाति अग्रवाल निवासी ग्राम कुनकुरी

तहसील कुनकुरी जिला-जशपुर (छ.ग.)

..आवेदक

बनाम

छ.ग. शासन

अनावेदक

-उ ?द्घोषणा-

एतद् द्वारा ग्राम ढोढीडांड, प.ह.नं. 23 रा.नि.मं. कुनकुरी, तहसील-कुनकुरी, जिला-जशपुर (छ.ग.) की जनता को सूचित किया जाता है, कि आवेदक संदीप कुमार अग्रवाल, निवासी ग्राम कुनकुरी, तहसील कुनकुरी, जिला-जशपुर (छ.ग.) द्वारा ग्राम ढोढीडांड, स्थित भूमि ख.नं. 294/3 रकबा 0.2020 हे. भूमि पर फलाई ऐश हेतु कृषि से अकृषि औधोगिक प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन पेश किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त भूमि के व्यपवर्तन के संबंध में जिस किसी को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे अपना दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रकरण में सुनवाई दिनाँक 15/12/2025 तक इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। उक्त नियत अवधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनाँक 28/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
कुनकुरी, जिला-जशपुर (छ.ग.)

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा) कुनकुरी, जिला–जशपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./अ-2/2025-26

ग्राम ढोढीडांड, तहसील कुनकुरी संदीप कुमार पिता हरीराम अग्रवाल उम्र-48 वर्ष, जाति अग्रवाल निवासी ग्राम कुनकुरी

तहसील कुनकुरी जिला-जशपुर (छ.ग.)

आवेदक

बनाम

छ.ग. शासन

अनावेदक

उद्घोषणा

एतद् द्वारा ग्राम ढोढीडांड, प.ह.नं. 23 रा.नि.म. कुनकुरी, तहसील-कुनकुरी, जिला-जशपुर (छ.ग.) की जनता को सूचित किया जाता है, कि आवेदक संदीप कुमार अग्रवाल, निवासी ग्राम कुनकुरी, तहसील कुनकुरी, जिला-जशपुर (छ.ग.) द्वारा ग्राम ढोढीडांड, स्थित भूमि ख.नं. 294/11 रकबा 0.1420 हे. भूमि पर फलाई ऐश हेतु कृषि से अकृषि औधोगिक प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन पेश किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त भूमि के व्यपवर्तन के संबंध में जिस किसी को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे अपना दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रकरण में सुनवाई दिनाँक 15/12/2025 तक इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। उक्त नियत अवधि के पश्चातप्राप्त दावा/आपनि पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनाँक 28/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
कुनकुरी, जिला-जशपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार, पत्थलगांव, जिला–जशपुर (छ०ग०)

रा०मा०क्र० /बी–121/2025–26
ग्राम–पत्थलगांव तह०–पत्थलगांव,

उ?द्घोषणा

एतद् द्वारा आम नगर पंचायत पत्थलगांव, को सूचित किया जाता है कि आवेदक दीपक पन्ना पिता थोमस पन्ना जाति उरांव निवासी ग्राम-छतौरी थाना / चौकी/तहसील-मनोरा, जिला-जशपुर (छ०ग०) वर्तमान निवासी बंदियाखार थाना-पत्थलगांव जिला-जशपुर (छ०ग०) के द्वारा आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय एवं जिला दण्डाधिकारी महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक को प्रपत्र तीन में 12 बोर शस्त्र लायसेंस की स्वीकृति हेतु निवेदन किया गया है। आवेदक ने आवेदन पत्र के साथ आवेदन पत्र, शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। आवेदन पत्र एवं प्रतिवेदन हेतु अनुविभागीय दण्डाधिकारी पत्थलगांव के माध्यम से जॉच कर प्रतिवेदन हेतु प्राप्त।उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 29.12.2025 को न्यायालयीन समय 11.00 बजे स्थान तहसीलदार पत्थलगांव के न्यायालय में होना नियत है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को दावा / आपत्ति पेश करना हो, तो नियत तिथि एवं समय में मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिकर्ता के माध्यम से पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त किसी भी दावा / आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक-11.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार,
पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ०ग०)

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०..../अ–2/2025–26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अमर विजय सिंह तोमर आ० रणविजय सिंह तोमर जाति क्षत्रिय निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 160/27, 160/28 रकबा 0.017, 0.016 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 20/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।आज दिनांक 04/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा),
अम्बिकापुर

चोपन में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में 170 जोड़ो का हुआ विवाह

चोपन/सोनभद्र - मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत शुक्रवार को चोपन ब्लॉक के रेलवे मैदान में सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान मुस्लिम जोड़ों सहित कुल 170 दूल्हा-दुल्हन पूरे रीति-रिवाज के साथ परिणय सूत्र में बंधे। सुबह से ही वर-वधू और उनके परिवार के सदस्य शादी मंडप में पहुंचने लगे थे। शासन ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत कुल 188 जोड़ों की शादी का लक्ष्य निर्धारित किया था। हालांकि, अपात्र पाए जाने के कारण कुछ जोड़ों को निराशा हाथ लगी। इस योजना के तहत प्रति जोड़े पर खर्च की जाने वाली धनराशि बढ़ाकर अब एक लाख रुपये कर दी गई है। जिला प्रशासन के निर्देश पर समाज कल्याण विभाग ने इस लक्ष्य को सभी ब्लॉक और नगरीय निकायों में आवंटित किया है। शासनादेश के अनुसार, प्रति जोड़े पर 1,00,000 रुपये खर्च करने का प्रावधान है। इसमें से 60,000 रुपये की सहायता राशि कन्या के दाम्पत्य जीवन में खुशहाली और गृहस्थी स्थापित करने के लिए सीधे उसके बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से भेजी जाती है। इसके अतिरिक्त, कन्या को वैवाहिक उपहार सामग्री के लिए 25,000 रुपये खर्च किए जाते हैं। शेष 15,000 रुपये प्रति जोड़े पर कार्यक्रम के आयोजन, जैसे भोजन, पंडाल, फर्नीचर, पेयजल, विद्युत/प्रकाश व्यवस्था और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर व्यय किए जाते हैं। इस योजना के लिए आवेदन की कुछ निर्धारित पात्रता शर्तें हैं। कन्या के अभिभावक उत्तर प्रदेश के मूल निवासी होने चाहिए। कन्या या उसके परिवार की वार्षिक आय 3.00 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। विवाह की तिथि पर कन्या की आयु 18 वर्ष और वर की आयु 21 वर्ष पूरी हो चुकी हो। आयु की पुष्टि के लिए विद्यालय का शैक्षिक रिकॉर्ड, जन्म प्रमाण पत्र, मतदाता पहचान पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड या आधार कार्ड मान्य होंगे। आवेदन के लिए कन्या का बैंक खाता और कन्या व वर के पासपोर्ट साइज फोटो आवश्यक हैं। इस योजना में निर्धन परिवार की अविवाहित कन्याओं के विवाह के साथ-साथ विधवा, परित्यक्ता या कानूनी रूप से तलाकशुदा महिलाओं का पुनर्विवाह भी शामिल है। अनुसूचित जाति/जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदकों को जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है। निराश्रित कन्याओं, विधवा महिलाओं की पुत्रियों, दिव्यांग अभिभावकों की पुत्रियों और स्वयं दिव्यांग कन्याओं को विवाह के लिए प्राथमिकता दी जाती है। इस दौरान. समाज कल्याण राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड, सदर विधायक भूपेश चौबे, जिलाधिकारी बद्रीनाथ सिंह, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, ब्लाक प्रमुख लीला देवी गोड़ , खण्ड विकास अधिकारी अजीत कुमार यादव, एडीओ पंचायत काशी राम ठाकुर, जिला महामंत्री रामसुंदर निषाद, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुनील सिंह, मंडल अध्यक्ष चोपन भगवान दास केसरी, राजन जायसवाल, नागेश्वर प्रसाद गोंड़, सहित भाजपा के पदाधिकारी व विभाग से सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

शिव गुरु कार्य को नई दिशा: भटगांव में जिला स्तरीय शिव शिष्य समिति की महत्वपूर्ण बैठक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भटगांव। शांति पारा वार्ड क्रमांक 03 में आज जिला स्तरीय शिव शिष्य समिति की एक ऐतिहासिक, निर्णायक एवं दूरगामी प्रभाव वाली बैठक सम्पन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में शिव गुरु कार्य को नई गति देना, संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करना तथा उन क्षेत्रों में पुनः सक्रियता लाना रहा, जहाँ किसी कारणवश साप्ताहिक शिव गुरु चर्चा बंद पड़ी हुई है। बैठक में शिव गुरु कार्य की वर्तमान स्थिति पर गहन मंथन किया गया और सर्वसम्मति से यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि प्रत्येक माह जिले के कम से कम तीन ऐसे स्थानों पर नियमित शिव गुरु चर्चा पुनः प्रारंभ की जाएगी, जहाँ यह परंपरा बाधित हो गई थी। समिति ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय केवल कार्यक्रम आयोजन नहीं, बल्कि समाज में आध्यात्मिक चेतना, सकारात्मक सोच एवं संगठनात्मक एकता को पुनः सशक्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

हर ब्लॉक में गूंजेगा शिव गुरु संदेश

पूर्व वर्षों की परंपरा को फिर से जीवंत करते हुए यह भी तय किया गया कि जिले के प्रत्येक ब्लॉक में क्रमवार मासिक एक दिवसीय शिव गुरु परिचर्चा का आयोजन किया जाएगा। इन परिचचाओं के माध्यम से शिव शिष्य परिवार को एक मंच पर लाकर अनुभव साझा किए जाएंगे, नए शिव शिष्यों को मार्गदर्शन दिया जाएगा तथा संगठन की जड़ें गांव-गांव तक मजबूत की जाएंगी।

नववर्ष 2026 का स्वागत होगा भव्य शिव गुरु चर्चा से

बैठक में वर्ष 2025 की विदाई एवं नववर्ष 2026 के स्वागत को लेकर भी बड़ा निर्णय लिया गया। समिति ने जिले स्तरीय एक दिवसीय भव्य शिव गुरु चर्चा आयोजन की घोषणा की, जिसमें जिले के समस्त शिव शिष्य परिवार को आमंत्रित किया जाएगा। इस आयोजन को शिव शिष्य संगठन के इतिहास का प्रेरणादायक एवं स्मरणीय अध्याय बनाने का संकल्प लिया गया।

संगठनात्मक मजबूती पर विशेष जोर

बैठक के दौरान वक्ताओं ने कहा कि शिव गुरु चर्चा केवल आध्यात्मिक संवाद नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, संस्कारों को मजबूत करने और सेवा भावना को बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। नियमित गतिविधियों से शिव शिष्य परिवार में अनुशासन, सहभागिता और समर्पण की भावना और अधिक मजबूत होगी।

प्रमुख पदाधिकारी व सदस्य रहे उपस्थित

इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला शिव शिष्य समिति के अध्यक्ष चंद्रिका कुशवाहा, उपाध्यक्ष रामशरण राजवाड़े, कोषाध्यक्ष जानकी राम राजवाड़े, सचिव अजय कुमार साहू सहित वरिष्ठ व सक्रिय सदस्य लखन ठाकुर, वकील प्रसाद चौधरी, अनु सिंह, कलेश्वरी सिंह, सुमित्रा राजवाड़े, गोपाल देवांगन, दीप राजवाड़े, मनीष सिंह, सुनीता प्रजापति, अमृत प्रजापति, मंगल साय प्रजापति, जोखन राम सांडिल, सीता रजक, गोपी, सुरेंद्र सोनी, शाहिद सहित बड़ी संख्या में शिव शिष्य परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

एकजुट होकर लिया गया संकल्प

बैठक के समापन पर सभी सदस्यों ने एक स्वर में यह संकल्प लिया कि शिव गुरु कार्य को हर गांव, हर मोहल्ले और हर परिवार तक पहुँचाया जाएगा, संगठन को और अधिक सशक्त किया जाएगा तथा नियमित शिव गुरु चचाओं के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जाएगा।

महाविद्यालय के रासेयो इकाई ने चलाया सफाई अभियान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहरपुर द्वारा यहां के मुख्य चौराहे पुलिस थाने के सम्मुख लगभग 38 स्वयंसेवकों के माध्यम से स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत मुख्य मार्ग की सफाई पुलिस थाना प्रांगण व मुख्य सड़क के दोनों ओर स्थित दुकान के आस पास की साफ सफाई की गई। वहीं दुकानदारों को स्वच्छता रखने स्वयंसेवको ने संदेश दिया व चौराहा पर पाउच, पन्नी, पॉलिथीन जहां देख वहां बिन का नारा लगाया गया। साथ ही स्वच्छता ही सेवा का सन्देश जन जन तक पहुंचाया यह सफाई अभियान महाविद्यालय प्राचार्य रंजीत कुमार सातपुते के निर्देशन में चलाया गया।

विशेष गहन पुनरीक्षण पर कलेक्टर ने ली राजनैतिक दलों की बैठक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के संदर्भ में निर्वाचन आयोग द्वारा संशोधित कार्यक्रम जारी करने के उपरांत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी एस. जयवर्धन की अध्यक्षता में सर्व मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की बैठक आयोजित की गई। दलों के पदाधिकारियों को बताया गया कि गणना प्रपत्र भरने की अंतिम तिथि 18 दिसम्बर तक तथा मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन दिनांक 23 दिसम्बर को किया जायेगा। मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन किये जाने के उपरांत 23 दिसम्बर 2025 से 22 जनवरी 2026 तक दावा, आपत्ति प्राप्त किये जायेंगे, जिनका निराकरण 14 फरवरी तक किये जाने के उपरांत 21 फरवरी को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जायेगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में बताया गया कि विधानसभा प्रेमनगर, भटगांव व प्रतापपुर में शत-प्रतिशत मतदाताओं के गणना प्रपत्र डिजिटाईजेशन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। मतदाताओं से प्राप्त गणना प्रपत्र अनुसार जिले के सभी मतदान केन्द्रों के बूथ लेवल अधिकारियों के द्वारा अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत व डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची तैयार कर राजनैतिक दलों के द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेण्ट के साथ बैठक आयोजित कर सूची साझा किया गया है एवं सूची मतदान केन्द्रों के नोटिस बोर्ड में चस्पा किया गया है। 20 से 30 प्रतिशत एवं 30 प्रतिशत से अधिक अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत व डुप्लीकेट मतदाताओं की मतदान केन्द्रवार सूची साझा करते हुये बताया गया कि इन मतदान केन्द्रों में अगर किसी मतदाता का नाम सूची में दर्ज है तो उनका निर्धारित तिथि 18 दिसम्बर 2025 तक सुधार किया जा सकता है। विधानसभा क्षेत्र प्रेमनगर में कुल 31312, 05 भटगांव में कुल 25113, 06 प्रतापपुर में कुल 18926 अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत डुप्लीकेट मतदाताओं की अंतरिम सूची सभी मतदान केन्द्रों में प्रकाशित किया गया है। मतदान केन्द्रों में प्रकाशन सूची अनुसार यदि कोई मतदाता किसी कारण से गणना पत्रक जमा नही कर पाया है तो वह भी गणना पत्रक जमा किये जाने हेतु निर्धारित तिथि 18 दिसम्बर तक गणना प्रपत्र जमा कर सकता है।

संपत्तियों के बाजार मूल्य निर्धारण की नई दरों की गाइडलाईन जारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक द्वारा छत्तीसगढ़ गाइडलाईन दरों को निर्धारण नियम 2000 के प्रावधानों के तहत उप जिला/जिला मूल्यांकन समितियों में प्राप्त, स्थावर संपत्तियों के बाजार मूल्य निर्धारण से संबंधित गाइडलाईन दर वर्ष 2025-26 को केन्द्रीय मूल्यांकन बोर्ड छ.ग. रायपुर द्वारा अनुमोदित कर 20 नवम्बर 2025 से संपूर्ण छत्तीसगढ़ में लागू की गई है। नवीन गाइडलाइन वर्ष 2025-26 में विगत 7-8 वर्ष पूर्व की प्रचलित गाइडलाइन की उपबंधों, कंडिकाओं एवं दरों में विसंगतियों को ठीक करने की प्रक्रिया अंतर्गत विभिन्न जनहितैषी सुधार किया गया है। जिला पंजीयक ने बताया कि राज्य शासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में समस्त प्रकार के उपयोग की भूमियों में वर्गमीटर दर को समाप्त करने से सभी प्रकार की भूमि जैसे कृषि, गैर कृषि, व्यावसायिक, परिवर्तित समस्त प्रकार उपयोग की भूमियों के लिये भूमि का मूल्यांकन बाजार मूल्य का परिकलन/भूमि के स्वरूप अनुसार मुख्यमार्ग एवं मुख्यमार्ग के अंदर हेक्टेयर दर से किया जाने का जनहितैषी गाइडलाइन लागू किया गया है। पूर्व प्रचलित गाइडलाइन 2019-20 के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में अलग-अलग उपयोग की भूमियों का अलग-अलग मूल्यांकन करने का प्रावधान था। राज्य शासन द्वारा जारी नवीन गाइडलाइन वर्ष 2025 के प्रावधानों के तहत बाजार मूल्य परिकलन में आमजनों को स्टाम्प एवं रजिस्ट्री शुल्क कम चुकाना होगा। उन्होंने आमजनों से अपील किया है कि नवीन गाइडलाइन वर्ष 2025-26 के दरों के संबंध में किसी भी प्रकार की अफवाहों से भ्रमित न हो, नवीन गाइडलाइन आमजनों के हितार्थ एवं जनहितैषी है। किसी भी प्रकार की पंजीयन संबंधी जानकारी के लिये अपने क्षेत्रों के निकटतम पंजीयन कार्यालय में सम्पर्क कर वास्तविक तथ्यों एवं बाजार मूल्य की जानकारी प्राप्त कर सकते है।

बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के क्रियान्वयन हेतु कार्यशाला का 15 दिसम्बर को

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य को बाल विवाह मुक्त बनाने हेतु राज्य शासन द्वारा ह्लबाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियानह्ल का संचालन किया जा रहा है। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन तथा तय किए गए लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला स्तरीय कार्यशाला 15 दिसंबर 2025 को दोपहर 12:00 बजे से जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित की गई है। उन्होंने सर्व सम्बन्धितों को निर्धारित समय में कार्यशाला में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

जिले ने पीएम आवास ग्रामीण के निर्माण में किया कीर्तिमान स्थापित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देश व सीईओ जिला पंचायत विजेंद्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन में पीएम आवास ग्रामीण निरन्तर प्रगति के लिए कार्य कर रहा है। विगत दो वर्षों में 34784 आवास स्वीकृत, 30776 आवास पूर्ण एवं 349 करोड़ से अधिक की राशि हितग्राहियों के खातों में हस्तांतरित कर जिले ने एक कीर्तिमान स्थापित किया है। पूरी तरह पारदर्शी पीएम आवास योजना ग्रामीण योजना के बेहतर क्रियान्वयन हेतु प्रशासन सतत प्रयासरत है। उक्त तारतम्य में शुक्रवार से आगामी 7 दिन डेडीकेटेड पीएम आवास के निर्माण में फोकस करने के लिए रखा गया है। इसके अंतर्गत आवास निर्माण के लिए लंबित हितग्राहियों को बुलाकर जगह जगह आवास चौपाल, निरंतर फील्ड विजिट, क्लस्टर के सभी स्टाफो की मीटिंग, हितग्राहियों से फोन के माध्यम से बात करने जैसे कार्य किए जा रहे है। ताकि जितने आवास अप्रारम्भ है उन्हें प्रारम्भ और प्लिंथ से ऊपर स्तर पर है उन्हें तत्काल पूर्ण करा लिए जाए तथा हितग्राहियों को सभी किस्तें समय पर प्रदाय कर दी जाए। इस उद्देश्य के साथ यह सप्ताह जिला प्रशासन द्वारा शासन की महत्वाकांक्षी पीएम आवास योजना ग्रामीण में प्रगति के लिए पूरी तरह समर्पित है। आवास निर्माण की दृष्टि से दिसंबर एवं जनवरी सबसे अनुकूल समय है, इस समय अधिक से अधिक आवास पूर्ण किए जा सकते है। हितग्राहियों के सभी प्रकार के समस्याओं का समाधान करते हुए, इन्हें लगातार आवास निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। सामग्री की व्यवस्था से लेकर मिस्त्री एवं आवश्यकतानुसार बिहान योजना से हितग्राहियों को लोन का प्रावधान कराने जैसे सारे प्रयास किए जा रहे है ताकि निर्माण कार्य में तेजी आ सके। उक्त निर्माण कार्य समाप्ति उपरान्त आवास प्लस 2024 के माध्यम से सर्वेक्षित हुए, पात्र परिवारों को आवास से लाभान्वित करने की कार्यवाही प्रारंभ की जावेगी। जिला प्रशासन का हितग्राहियों से अपील है कि अपने आवास को आप जल्दी से पूर्ण कराते हुए, आवास की सभी किश्तों को प्राप्त कर लीजिए। किसी के बहकावे में आकर आवास की राशि किसी भी अन्य व्यक्ति या अन्य कार्यों में खर्च कदापि ना करें। किसी भी प्रकार की समस्या आती है तो जिला स्तरीय हेल्पलाइन नंबर 9244049285 पर सीधे संपर्क कर सकते है।

सुरक्षित पारा सुरक्षित लईकामन 3.0 के तहत चलाया ग्राम संपर्क अभियान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां के रेवती रमण मिश्र महाविद्यालय एवं नवीन कन्या महाविद्यालय के स्वयंसेवकों द्वारा सक्रिय रूप से ग्राम लांची, गोपालपुर, पचिरा, पर्रि में व्यापक ग्राम संपर्क एवं जनजागरूकता अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा बच्चों, अभिभावकों एवं ग्रामीणों को दैनिक जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया गया। इनमें हाथ धुलाई, व्यक्तिगत स्वच्छता, गुड टच-बैड टच, संतुलित आहार, मानसिक स्वास्थ्य, लैंगिक हिंसा, भ्रूण हत्या एवं बाल विवाह जैसे संवेदनशील मुद्दे शामिल थे। ग्रामीणों तक प्रभावी संदेश पहुँचाने के लिए नुक्कड़ नाटक, परिचर्चा, स्लोगन,रैली एवं शपथ जैसे माध्यमों का उपयोग किया गया। प्राथमिक शाला, माध्यमिक शाला, हाई स्कूल,चौपाल तथा ग्राम के आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक इस कार्यक्रम में सहभागिता की और इसे सकारात्मक रूप से सराहा। अभियान में संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय एवं यूनिसेफ का सहयोग और मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा। कार्यक्रम में रा.से.यो. इकाई से 12 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। वहीं कार्यक्रम अधिकारी अनिल कुमार चक्रधारी एवं सुश्री पूजांजलि भगत ने सम्पूर्ण आयोजन का नेतृत्व करते हुए जागरूकता गतिविधियों को सम्पन्न कराया। सभी ग्रामों में आयोजित यह कार्यक्रम बच्चों एवं समुदाय की सुरक्षा, स्वास्थ्य और जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

बाबा श्याम के भजनो की अमृतवर्षा से गुंजायमान होगा शहर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। श्री श्याम सेवा समिति सूरजपुर के द्वारा श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव का आयोजन आगामी दो जनवरी को रंगमंच के विशाल डोम में भव्य आयोजन के रूप में किया जा रहा है। आयोजन की तैयारियों को लेकर समिति के द्वारा भव्य स्वरूप प्रदान करने के साथ श्याम रस की अलख जगाने के लिए श्याम जगत के भजन प्रवाहकों को आमंत्रित किया गया है। मुख्य आयोजन में श्री श्याम गुणगान में शीतल पाण्डेय दिल्ली, पूजा नथानी कलकत्ता तथा अमोल-शुभम की जोड़ी कलकत्ता विशेष रूप से बाबा श्याम की अलख जगाएंगे। श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव के द्वितीय संस्करण में रंगमंच मैदान में नगर पालिका के टेनसाईल डोम के नीचे बाबा के खजाना के रूप में एक ड्रा का आयोजन गत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी किया गया है। जिसमें बाबा के खजाने के रूप में 100 से उपर पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। दो कार, 9 मोटरसाइकिल व स्कूटी तथा छह इलेक्ट्रिक स्कूटी व सांत्वना पुरस्कार श्याम प्रेमियों के लिए निकाले जाएंगे। इसके साथ ही बाबा का अलौकिक श्रृगांर, इत्र वर्षा व श्याम रसोई के साथ बाबा के महोत्सव को लेकर अभी से ही वातावरण धार्मिक हो गया है। आयोजन के दिन पूरा नगर बाबा श्याम की भक्ति से सराबोर रहेगा। आगामी दो तारीख का श्याम प्रेमियों को बेसब्री से इंतजार है और आयोजन समिति के उजार्वान भक्तों के द्वारा सभी आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। बाबा के दरबार को विशेष रूप से फूलों से सजाने के लिए दरबार सेवकों को आमंत्रित किया गया है, जो बाबा का आकर्षक दरबार बनायेंगे। ख्याति प्राप्त भजन गायकों के द्वारा एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। आयोजन की तैयारियों को लेकर पप्पल अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, दिनेश बंसल, मनीष अग्रवाल, अमित रोहिल्ला, पवन अग्रवाल, रोहित गर्ग, रुपेश मित्तल, रवि अग्रवाल, राकेश बंसल, प्रियांशु जैन, सचिन अग्रवाल, राहुल पांडेय, रवि पांडेय, विक्की, सुमित रोहिल्ला, प्रियांश मित्तल, सचिन अग्रवाल, अंश मित्तल, यश अग्रवाल, प्रणव अग्रवाल व श्री श्याम सेवा समिति के सदस्य सहित नगर के श्याम प्रेमी सक्रिय हैं।

शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता- ललिता

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जल जीवन मिशन समूह जल प्रदाय योजना बगड़ा-केरता अंतर्गत महान नदी खड़गवां स्थित निमार्णाधीन इंटेक वेल तथा जगन्नाथपुर में स्थापित हो रहे वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण एसडीएम प्रतापपुर श्रीमती ललिता भगत द्वारा एसडीओ पीएचई के साथ संयुक्त रूप से किया गया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ताकार्य करते हुए कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों को शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाए।

अरुणोदय के 16 विद्यार्थियों ने पुलिस बल आ. भर्ती परीक्षा में प्राप्त की सफलता

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में संचालित अरुणोदय कैरियर इंस्टिट्यूट के 16 विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आयोजित जिला पुलिस बल आरक्षक संवर्ग भर्ती परीक्षा में सफलता प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि से न केवल चयनित विद्यार्थियों में बल्कि अरुणोदय और जिले के अन्य विद्यार्थियों में भी उत्साह और प्रेरणा का माहौल है। कठिन परिश्रम, अनुशासन और निरंतर मार्गदर्शन के बल पर इन विद्यार्थियों ने यह सफलता हासिल की है। चयनित विद्यार्थियों में करन कुशवाहा, राजू राजवाड़े, अविनाश रवि, उमेश्वर, प्रीति सिंह, राधा सिंह, सुषमा रजवाड़े, गजेन्द्र कुमार सिंह, रुखमणी, संध्या, दिलराज, नम्रता कुशवाहा, कदम कुमारी, सरिता सिंह, विनीता मिंज एवं रामेश्वर सिंह शामिल है। इस अवसर पर अरुणोदय के प्राचार्य सोमनाथ साहू एवं अध्यापक रोहित तिवारी ने सभी चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत के साथ-साथ संस्थान की गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन प्रणाली का परिणाम है। अरुणोदय परिवार ने आशा व्यक्त की है कि चयनित विद्यार्थी ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और अनुशासन के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर समाज और प्रदेश की सेवा करेंगे। ज्ञात हो कि इसी वर्ष संस्थान से 11 छात्राओं का चयन छ.ग व्यापम द्वारा आयोजित नगरसेना भर्ती परीक्षा में हुआ, जबकि संस्थान के छात्र राजेन्द्र सिंह का चयन छत्तीसगढ़ पीएससी परीक्षा के माध्यम से आबकारी उप निरीक्षक के पद पर हुआ है। पिछले 7 वर्षों में अरुणोदय के लगभग 2 सौ छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओ में सफलता प्राप्त कर संस्थान की उपयोगिता सिद्ध की है।

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं, निरंतर अभ्यास एवं आत्ममूल्यांकन ही उत्कृष्टता का आधार : सीईओ

★ जिला प्रशासन की नवाचारी पहल 'चौंपियन ऑफ चेंज' का किया गया आयोजन
★ हजारों छात्रों को मिला कैरियर और मोटिवेशनल मार्गदर्शन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला प्रशासन बलरामपुर-रामानुजगंज द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण शैक्षणिक विकास, कैरियर मार्गदर्शन और सकारात्मक व्यक्तित्व निर्माण के उद्देश्य से काका लरंगसाय स्टेडियम, शंकरगढ़ में मोटिवेशनल सेमिनार एवं कैरियर मार्गदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजन कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के नवाचारी पहल चौंपियन ऑफ चेंज के अंतर्गत रखा गया, जिसका उद्देश्य जिले के युवाओं में आत्मविश्वास, लक्ष्य-निर्धारण, समय प्रबंधन और दृढ़ निश्चय जैसी गुणों को मजबूत करना है।

कार्यक्रम में उपस्थित राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों ने विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, समय-सारणी निर्माण, अध्ययन तकनीक और जीवन प्रबंधन पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। अधिकारियों ने बताया कि कठिन परिस्थितियों में भी नियमित मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास सफलता की पहली सीढ़ी है।

इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर ने अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता निरंतर अभ्यास, निरंतर सीखना और आत्ममूल्यांकन ही उत्कृष्टता का आधार है। उन्होंने समय-सारणी में पढ़ाई को अधिक स्थान देने, कमजोर विषयों पर विशेष ध्यान केंद्रित करने और लक्ष्य को हमेशा स्पष्ट रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा जब आप अपनी पढ़ाई को प्राथमिकता देते हैं, तो सफलता स्वत: आपके कदम चूमती है।

जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तोमर ने आगामी 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षा केवल अंकों का मूल्यांकन नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण की पहली मजबूत सीढ़ी होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि परीक्षा के दिनों में नियमितता, एकाग्रता और समय प्रबंधन अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने समझाया कि छोटी-छोटी आदतें जैसे रोजाना तय समय पर पढ़ाई, नोट्स बनाना, पुनरावृत्ति करना और मॉडल पेपर हल करना बड़ी सफलता दिलाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को आगामी बोर्ड परीक्षाओं के लिए आत्मविश्वास के साथ तैयारी करने की प्रेरणा दी। उन्होंने बताया कि तनाव में पढ़ाई करने के बजाय शांत मन से, योजनाबद्ध तरीके से पढ़ने पर ज्ञान अधिक स्थायी होता है और परिणाम बेहतर आते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता के लिए शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि जिला प्रशासन हमेशा विद्यार्थियों के साथ है और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है।

तहसील कुसमी में पदस्थ व सीजीपीएससी 2025 में टॉप टेन में पांचवा स्थान प्राप्त करने वाले श्री पारस शर्मा ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए अपनी सीजीपीएससी के लिए की गई तैयारियां के संबंध में बताया। उन्होंने कहा कि सफलता हमारे अंदर ही है बस हमें लक्ष्य निर्धारण कर आगे बढ़ना है।

कार्यक्रम में मोटिवेशनल स्पीकर श्री प्रिंस वर्मा ने उपस्थित विद्यार्थियों को जीवन में आने वाले चौलेंज का सामना करने के लिए महत्वपूर्ण टिप्स दिए। उन्होंने बच्चों को बताया कि निरंतर प्रयास से असंभव कार्य को भी पूर्ण किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने, आत्मअनुशासन अपनाने और उपलब्ध संसाधनों का पूरी क्षमता से उपयोग करने का संदेश दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि सफल प्रबंधन के क्रियान्वयन से हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त की जा सकती है, इसलिए सभी दृढ़ निश्चय के साथ कड़ी मेहनत करें और सफल बनें। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से बताया कि कैसे सफल व्यक्तित्व विपरीत परिस्थितियों में भी हार नहीं मानते और अपने धैर्य एवं दृढ़ता से सफलता प्राप्त करते हैं। कार्यक्रम में हजारों विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी रही। सेमिनार के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रश्न पूछे और अधिकारियों व वक्ताओं से कैरियर संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। इस दौरान क्षेत्र से अग्निवीर में चयनित हुए टेकराम, नीलेश एवं शमूएल को शाल देकर सम्मानित किया गया। साथ खेल-कूद, कलात्मक ज्ञान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया।

इस दौरान जनपद अध्यक्ष श्रीमती चिंतामणि भगत, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती गीता पैकरा, एसडीएम श्री अनमोल विवेक टोप्पो, जिला शिक्षा अधिकारी श्री एम.आर. यादव, तहसीलदार श्री गजराज सिंह, थाना प्रभारी जितेन्द्र जायसवाल, सहित अधिकारी-कर्मचारी व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बाबा श्याम के भजनो की अमृतवर्षा से गुंजायमान होगा शहर

तैयारियों में जुटी श्याम सेवा समिति, रंगमंच प्रांगण में होगा भव्य आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। श्री श्याम सेवा समिति सूरजपुर के द्वारा श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव का आयोजन आगामी दो जनवरी को रंगमंच के विशाल डोम में भव्य आयोजन के रूप में किया जा रहा है। आयोजन की तैयारियों को लेकर समिति के द्वारा भव्य स्वरूप प्रदान करने के साथ श्याम रस की अलख जगाने के लिए श्याम जगत के भजन प्रवाहकों को आमंत्रित किया गया है। मुख्य आयोजन में श्री श्याम गुणगान में शीतल पाण्डेय दिल्ली, पूजा नथानी कलकत्ता तथा अमोल-शुभम की जोड़ी कलकत्ता विशेष रूप से बाबा श्याम की अलख जगाएंगे। श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव के द्वितीय संस्करण में रंगमंच मैदान में नगर पालिका के टेनसाईल डोम के नीचे बाबा के खजाना के रूप में एक ड्रा का आयोजन गत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी किया गया है।

जिसमें बाबा के खजाने के रूप में 100 से उपर पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। दो कार, 9 मोटरसाइकिल व स्कूटी तथा छह इलेक्ट्रिक स्कूटी व सांत्वना पुरस्कार श्याम प्रेमियों के लिए निकाले जाएंगे। इसके साथ ही बाबा का अलौकिक श्रृगांर, इत्र वर्षा व श्याम रसोई के साथ बाबा के महोत्सव को लेकर अभी से ही वातावरण धार्मिक हो गया है। आयोजन के दिन पूरा नगर बाबा श्याम की भक्ति से सराबोर रहेगा। आगामी दो तारीख का श्याम प्रेमियों को बेसब्री से इंतजार है और आयोजन समिति के उजार्वान भक्तों के द्वारा सभी आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। बाबा के दरबार को विशेष रूप से फूलों से सजाने के लिए दरबार सेवकों को आमंत्रित किया गया है, जो बाबा का आकर्षक दरबार बनायेंगे। ख्याति प्राप्त भजन गायकों के द्वारा एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। आयोजन की तैयारियों को लेकर पप्पल अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, दिनेश बंसल, मनीष अग्रवाल, अमित रोहिल्ला, पवन अग्रवाल, रोहित गर्ग, रुपेश मित्तल, रवि अग्रवाल, राकेश बंसल, प्रियांशु जैन, सचिन अग्रवाल, राहुल पांडेय, रवि पांडेय, विक्की, सुमित रोहिल्ला, प्रियांश मित्तल, सचिन अग्रवाल, अंश मित्तल, यश अग्रवाल, प्रणव अग्रवाल व श्री श्याम सेवा समिति के सदस्य सहित नगर के श्याम प्रेमी सक्रिय हैं।

प्रशासन की टीम ने जप्त किया 1010 बोरी अवैध धान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन में जिले में अवैध धान खरीदी एवं भंडारण के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज जिला के अधिकारियों द्वारा दो अलग-अलग स्थानों पर छापामार कार्रवाई कर बड़ी मात्रा में अवैध धान जप्त किया गया। ग्राम डबरीपारा में अजय कुमार साहू की दुकान से कुल 270 बोरी धान, जिसका वजन लगभग 108 क्विंटल है, वैध दस्तावेजों के अभाव में जप्त किया गया। जप्त धान को नियमानुसार सुपुर्दगी में दिया गया है। इसी प्रकार ग्राम गंगोटी में शिवबरन की दुकान एवं गोदाम की जांच के दौरान 740 बोरी धान, वजन लगभग 296 क्विंटल, अवैध रूप से भंडारित पाया गया। संबंधित व्यक्ति द्वारा कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर उक्त धान को भी जप्त कर सुपुर्दगी में सौंपा गया।

जिला प्रशासन द्वारा अवैध धान खरीदी, भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को नियमित निरीक्षण एवं निगरानी के निर्देश दिए हैं, ताकि शासन की धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी और प्रभावी बनाया जा सके।

नेक पहल यूथ क्लब देवनगर का किया गया गठन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। नेक पहल यूथ क्लब देवनगर का गठन शुक्रवार को पंचायत भवन देवनगर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित कर भारत माता के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम के औपचारिक शुरुआत की गई। तत्पश्चात सेना में ट्रेनिंग पूरी करके आए देवनगर क्षेत्र के ग्राम कल्याणपुर के जवान आकाश साहू एवं अनिल साहू का शाल ,श्रीफल व शील्ड देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दीपक गुप्ता पूर्व जनपद उपाध्यक्ष एवं जिला भाजपा मंत्री रहे। श्री गुप्ता ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए युवाओं को नशे से दूर रहने एवं खेल फिजिकल ट्रेनिंग एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु आवाहन किया साथ ही बच्चों के बेहतर अध्ययन हेतु लाइब्रेरी में पुस्तकों के उपलब्धता हेतु 5 हजार नगद राशि नेक पहल यूथ क्लब देवनगर को देने की घोषणा की गई। आगे के इस कार्यक्रम को ग्राम देवनगर के सरपंच प्रतिनिधि अक्षय सिंह के द्वारा बच्चों के भविष्य निर्माण व अच्छे स्वास्थ्य हेतु खेल के सामग्री एवं हर संभव सहयोग की घोषणा की गई। इस कार्यक्रम में जनपद पंचायत सदस्य देवनगर प्रतिनिधि अशोक यादव, उप सरपंच विकास गुप्ता ,बिशनपुर सरपंच अमरेश सिंह, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि हरक लाल साहू, योगासन एक्सपोर्ट जिला अध्यक्ष सूरजपुर एवं राज्य कार्यकारिणी छत्तीसगढ़, युवा भारत जिला प्रभारी अशोक जायसवाल कार्यक्रम के संयोजक विजय कुर्रे, शिक्षक रविशंकर पांडे, श्रीकांत पांडे, छात्रावास अधीक्षक कृष्ण कुमार साहू, वकील अमित साहू, मुख्य डाकघर एमटीएस देवदत्त, पिंटू राजवाड़े, हरिनारायण राजवाड़े, नितिन साहू, सत्येंद्र कुशवाहा, सतीश सिंह, बालकृष्ण राजवाड़े अयोध्या प्रसाद यादव, अभिषेक साहू, अनीश गुप्ता, सुरेश साहू, संतोष कुमार, शिशुपाल, कृष्णा रविंद्र, निलेश, मनीष, अभिषेक, आशीष, पंकज, प्रिंस, शैलेंद्र, विकास सहित बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित रहे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

निविदा सूचना

अधिसूचना क्रमांकः कॉम/कांट्र/एसटीबीए (एनएसजी-4, एनएसजी-5 एवं एनएसजी-6) A/25, दिनांक 09.12.2025

1. **कार्य का नामः** बिलासपुर मंडल के 01 "एनएसजी-4" श्रेणी रेलवे स्टेशनो में एक (01) वर्ष की अवधि के लिए और 01 "एनएसजी-5" एवं 18 "एनएसजी-6" श्रेणी रेलवे स्टेशनों में तीन (3) वर्ष की अवधि के लिए एसटीबीए की नियुक्ति हेतु निविदा। 2. **स्टेशन का नामः** एनएसजी "4"- अंबिकापुर। एनएसजी "5"- जयरामनगर। **एनएसजी** "6"- दघोरा, बोरीडांड, लोरहा, मुदरिया, सिंगपुर, विलायतकलां रोड, पाराडोल, दर्रीटोला, मौहारी, चूल्हा, हिमगिर, गतोरा, कोटारलिया, बेलपहाड़, सारबहरा, बंधवाबारा, रूपोंद और ईब। 3. **अनुबंध की अवधिः** एनएसजी "4"- एक वर्ष, एनएसजी "5"- तीन वर्ष, एनएसजी "6"- तीन वर्ष। 4. **अमानत राशिः** एनएसजी "4"- रुपये 10,000/-, एनएसजी "5"- रुपये 5,000/-, एनएसजी "6"- रुपये 2,000/-, 5. **निविदा प्रपत्र का मूल्यः** निः शुल्क, 6. **निविदा प्रारंभ की तिथिः** 15.12.2025, 7. **निविदा प्रपत्रों के जमा करने की तिथि व समयः** 06.01.2026 के 11:00 बजे से 15.30 बजे तक, 8. **निविदाएं खोलने के लिए तिथि व समयः** 06.01.2026 के 16:00 बजे.

नोटः यदि, अंतिम तिथि एक सरकारी छुट्टी या घोषित छुट्टी किसी भी कारण के लिए होती है तो, निविदाओं को अगले कार्य दिवस पर खोला जाएगा।

निविदा दस्तावेज, पात्रता मानदंड विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया संबंधित स्टेशन के स्टेशन प्रबंधक के कार्यालय और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर, कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस पर संपर्क करे एवं निविदा दस्तावेज हमारी वेबसाइट "www.secr.indianrailways.gov.in" पर उपलब्ध है उससे डाउनलोड कर सकते है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक

सीपीआर/10/539 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

समग्र शिक्षा एवं पीएमश्री निर्माण कार्य की जिपं सीईओ ने की समीक्षा

लापरवाह निर्माण एजेंसी को दी सख्त चेतावनी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के पीएमश्री एवं समग्र शिक्षा के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र सिंह पाटले के अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में संपन्न हुई। सभी निर्माण एजेंसी

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, क्रेड़ा, गृह निर्माण मंडल, जनपद पंचायत, नगर पालिका के अधिकारी एवं बीआरसीसी उपस्थित हुए। समग्र के 65प्रगतिरत एवं 15 नॉट स्टार्ट निर्माण कार्य, पीएम श्री के 40 ले आउट/प्रगतिरत निर्माण कार्य स्कूलवार, जनपद पंचायतवार एवं एजेंसीवाइस एक एक कार्यों की समीक्षा की गई। सीईओ ने स्कूलों के बायो, फिजिक्स एवं केमेस्ट्री लैब का अभी तक पूर्ण नहीं होने पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए निर्माण की गति धीमी होना पाए जाने पर गहरी नाराजगी जताया। उन्होंने निर्माण एजेंसियों को सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि समय सीमा पर कार्य नहीं करने वाले संबंधित ठेकेदारों को काम से हटाने एवं ब्लेक लिस्ट करें। डीएमसी समग्र शिक्षा सूरजपुर ने बताया कि छः माह पूर्व ही संबंधित एजेंसियों को 40से 50 प्रतिशत राशि दिया जा चुका है।विदित हो कि राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा से स्कूलों के सभी निर्माण कार्यों को पूर्ण करने के लिए जिलों की मॉनिटरिंग की जा रही है ताकि इसका लाभ छात्रों को जल्द से जल्द मिल सके।

बिहान समूह की सदस्य के परिवार को मिला संबल

★ कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ ने परिजनों का सौंपा चेक ★ प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत 2 लाख रुपये की मिली सहायता राशि ★ दुर्घटना और मृत्यु पर मिलती है परिवार को आर्थिक सहायता

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत गठित स्व सहायता समूहों की महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में जिला प्रशासन लगातार सक्रिय है। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर ने एक पीड़ित परिवार को बीमा राशि का चेक प्रदान कर संबल प्रदान किया।

विकासखंड बलरामपुर की ग्राम पंचायत मुरका निवासी एवं स्व सहायता समूह की सदस्य श्रीमती हीरामुनि एक्का के आकस्मिक निधन के उपरांत, उनके पति श्री रामदेव को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत 2 लाख रुपये की बीमा राशि का वितरण किया गया। इस दौरान कलेक्टर ने त्वरित दावा निपटान के लिए छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक, शाखा डबरा के शाखा प्रबंधक श्री गुडू कुमार और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के मैदानी अमले के प्रयासों की सराहना की।

बिहान से जुड़ी हजारों महिलाओं को मिला बीमा सुरक्षा कवच

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा स्व सहायता समूहों और उनके परिवारों को विभिन्न बीमा योजनाओं से जोड़कर सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाया जा रहा है। इस विशेष अभियान के तहत जिले में 71,787 स्व सहायता समूह से जुडी महिलाओं को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से जोड़ा गया है। 61,882 स्व सहायता समूह से जुडी महिलाओं को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से जोड़ा गया है।

बीमा दावों के लिए तैनात हैं 24 बीमा मित्र

बीमित हितग्राहियों की मृत्यु होने पर उनके परिजनों को दावा राशि प्राप्त करने में कोई परेशानी न हो, इसके लिए जिले में सुव्यवस्थित तंत्र विकसित किया गया है। प्रत्येक विकासखंड को चार भागों में विभाजित कर क्लस्टर बनाए गए हैं और जिले में कुल 24 बीमा मित्रों का चिन्हांकन किया गया है। ये बीमा मित्र सदस्य की मृत्यु होने पर तत्काल परिवार से संपर्क कर आवश्यक दस्तावेजों का संकलन करते हैं और बैंक में दावा प्रस्तुत करने में मदद करते हैं।

48 लाख रुपये का भुगतान वित्तीय वर्ष 2025-26 में बीमा मित्रों की सक्रियता से कुल 47 बीमा दावा प्रकरण बैंकों में जमा किए गए हैं। इनमें से 22 दावों का सफलतापूर्वक निपटारा करते हुए पीड़ित परिवारों को 48 लाख रुपये की राशि का भुगतान कराया जा चुका है। शेष 25 प्रकरण प्रक्रियाधीन हैं, जिनका जल्द ही निराकरण कर पीड़ित परिवार को लाभान्वित किया जाएगा।

जीवन की अनिश्चितताओं के बीच परिवार की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करना हर व्यक्ति की प्राथमिकता होती है, लेकिन महंगे प्रीमियम के कारण अक्सर आम आदमी बीमा करवाने से कतराता है। इसी समस्या के समाधान के लिए भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएएसबीवाई) देश के करोड़ों नागरिकों के लिए एक मजबूत संबल बनकर उभरी हैं। ये योजनाएं न केवल बेहद किफायती हैं, बल्कि इनकी प्रक्रिया भी अत्यंत सरल है, जिससे समाज का हर तबका इनका लाभ उठा सकता है।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एक टर्म लाइफ इंश्योरेंस है। इस योजना के अंतर्गत 18 से 50 वर्ष की आयु का कोई भी बैंक खाताधारक मात्र 436 रुपये के वार्षिक प्रीमियम पर 2 लाख रुपये का जीवन बीमा कवर प्राप्त कर सकता है। इसमें बीमित व्यक्ति की मृत्यु किसी भी कारण (बीमारी या दुर्घटना) से होने पर उसके परिवार (नॉमिनी) को सहायता राशि प्रदान की जाती है।

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना विशेष रूप से दुर्घटनाओं को कवर करती है। इसमें 18 से 70 वर्ष तक के नागरिक केवल 20 रुपये प्रति वर्ष के मामूली खर्च पर जुड़ सकते हैं। इस योजना के तहत दुर्घटना में मृत्यु या पूर्ण विकलांगता की स्थिति में 2 लाख रुपये और आंशिक विकलांगता पर 1 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जाती है। इन दोनों योजनाओं की सबसे बड़ी विशेषता इनका ऑटो-डेबिट सिस्टम है, जिसके तहत प्रीमियम की राशि सीधे आपके बैंक खाते से साल में एक बार कट जाती है, जिससे पॉलिसी रिन्यू कराने का समस्या खत्म हो जाता है। यदि दोनों योजनाओं को मिला दिया जाए, तो एक नागरिक मात्र 456 रुपये (43620) के सालाना खर्च पर कुल 4 लाख रुपये तक का सुरक्षा कवच प्राप्त कर सकता है।

योजना का लाभ लेने कलेक्टर ने की अपील

कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे अपने नजदीकी बैंक या डाकघर से संपर्क कर प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना इन योजनाओं का लाभ अवश्य उठाएं और जनकल्याणकारी बीमा योजनाओं से जुड़कर अपने परिवार की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करें।

झूला, मौत का कुआं, मीना बाजार व पार्किंग स्थल की नीलामी 29 दिसम्बर को

इच्छुक व्यक्ति/फर्म एवं संस्था ग्राम पंचायत तातापानी में अपना आवेदन निर्धारित प्रपत्र में भरकर करें जमा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव 2026 का आयोजन 14, 15 एवं 16 जनवरी 2026 को किया जाएगा। उक्त तातापानी महोत्सव में राज्य सहित पड़ोसी राज्यों के श्रद्धालुगण/व्यक्ति शामिल होते हैं। मेला महोत्सव में जिला प्रशासन द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। जिसमें देश के प्रसिद्ध कलाकारों की प्रस्तुती होती है। साथ ही श्रद्धालुगण एवं व्यक्तियों के मनोरंजन के लिए झूला, मौत का कुआं तथा मीना बाजार इत्यादि लगाया जाता है तथा मेले में आने-जाने वाले वाहनों को व्यवस्थित रखने के लिए पार्किंग स्थल की भी व्यवस्था की जाती है। तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव के व्यवस्थित आयोजन हेतु झूला, मौत का कुआं, मीना बाजार व पार्किंग स्थल का नीलामी द्वारा आबंटन किया जाना है। उक्त नीलामी में भाग लेने वाले इच्छुक व्यक्ति/फर्म एवं संस्था 29 दिसम्बर सुबह 10 बजे तक ग्राम पंचायत तातापानी में अपना आवेदन निर्धारित प्रपत्र में जमा कर सकते हैं। नीलामी की प्रक्रिया 29 दिसम्बर को सुबह 11 बजे से तातापानी सामुदायिक भवन में आयोजित की गई है।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरुद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

कैबिनेट मंत्री ने करोड़ों के विकास कार्यो का किया भूमिपूजन और लोकार्पण

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ सरकार के कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने विधानसभा क्षेत्र लखनपुर और उदयपुर में करोड़ों रुपये की लागत से विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। इन परियोजनाओं से क्षेत्रीय संपर्क सुविधाएं मजबूत होंगी तथा ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। मंत्री ने क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देते हुए कहा कि सभी आवश्यक परियोजनाओं को शीघ्रता से पूरा किया जाएगा। उदयपुर विकासखंड के चैनपुर-खमरिया मार्ग पर रेहंड नदी में उच्च स्तरीय पुल और पहुंच मार्ग निर्माण के लिए 11 करोड़ 86 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। मंत्री श्री अग्रवाल ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना का भूमिपूजन किया, जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों को नदी पार करने में होने वाली कठिनाइयों से मुक्ति मिलेगी।

पुल बनने के बाद स्थानीय बाजारों, स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंच आसान हो जाएगी। ग्राम पंचायत लाटोरी में 5 लाख रुपये की लागत से बनने वाली पुलिया का भी भूमिपूजन किया गया। इस समारोह में स्थानीय सरपंच और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। यह पुलिया क्षेत्रीय संपर्क को और सशक्त बनाएगी, जिससे किसानों और ग्रामीणों को दैनिक कार्यों में सुगमता मिलेगी। मंत्री राजेश अग्रवाल ने किसानों को भरोसा दिलाया कि सरकार आपकी उपज का एक-एक दाना खरीदेगी और उचित मूल्य दिलवाएगी। यदि किसी समिति में कर्मचारी द्वारा अवैध वसूली, परेशानी या अनुचित व्यवहार होता है, तो टोल-फ्री नंबर पर शिकायत करें। शिकायत मिलते ही तत्काल कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने क्षेत्र के विकास के प्रति समर्पण जताते हुए कहा कि सरकार ग्रामीण विकास के लिए कटिबद्ध है।

कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने गुमगरा खुर्द पीएचसी के नए भवन का किया लोकार्पण

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने सरगुजा जिले के लखनपुर ब्लाक के ग्राम पंचायत गुमगरा खुर्द में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) के आधुनिक नए भवन का फीता काटकर औपचारिक लोकार्पण किया। इस नवीन सुविधा का उद्घाटन ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो क्षेत्रीय विकास की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। लोकार्पण समारोह के दौरान मंत्री ने स्वास्थ्य केंद्र के स्टाफ को स्पष्ट निर्देश दिए कि ग्रामीणजन को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने विशेष रूप से रात्रिकालीन सेवाओं पर जोर देते हुए कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की कमी या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्टाफ को कर्तव्यनिष्ठा, सतर्कता और समर्पण के साथ सेवा प्रदान करने का आग्रह किया गया, ताकि दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ और विश्वसनीय बनी रहें। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, ग्रामवासियों और स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति रही। नए भवन से अब जांच, उपचार और दवा वितरण जैसी सेवाएं अधिक प्रभावी ढंग से उपलब्ध होंगी, जो विशेषकर आपातकालीन स्थितियों में ग्रामीणों के लिए वरदान साबित होगी। मंत्री ने कहा कि सरकार ग्रामीण स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे रही है और ऐसी योजनाओं को निरंतर आगे बढ़ाया जाएगा।

हाइब्रिड नेशनल लोक अदालत का हुआ आयोजन

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली तथा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सरगुजा के मार्गदर्शन में शनिवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय अम्बिकापुर के अंतर्गत सभी न्यायालयों में, जिसमें व्यवहार न्यायालय सीतापुर भी सम्मिलित है में हाइब्रिड नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। हाइब्रिड नेशनल लोक अदालत के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय तथा सीतापुर न्यायालय में साढे तीन हजार से अधिक लंबित प्रकरणों का निराकरण किया गया। किशोर न्याय बोर्ड के 70 तथा परिवार न्यायालय के 15 प्रकरणों का आपसी राजीनामा के आधार पर निराकरण किया गया। इसी प्रकार राजस्व न्यायालयों में तीन हजार से अधिक प्रकरणों का निराकरण किया गया एवं लाखों की संख्या में प्री-लिटिगेशन मामलों का निराकरण किया गया। लोक अदालत के दौरान चार प्रकरण वर्चुअल मोड/विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा निराकृत किए गए। हाइब्रिड नेशनल लोक अदालत में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के. एल. चरयाणी के खण्डपीठ क्रं 01 के समक्ष निराकृत प्रकरणों में से एक प्रकरण में मोटर दुर्घटना में आवेदकगण के पति, पिता एवं पुत्र की मृत्यु कारित हो जाने से आवेदकगण द्वारा मोटर यान अधिनियम 1988 की धारा-166 के तहत अनावेदक अजीत यादव, श्रीमती चुन्नी देवी एवं शाखा प्रबंधक आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के विरूद्ध प्रस्तुत किया है, जिसमें 13 दिसंबर को आयोजित लोक अदालत में आवेदकगण ने अना.क्र 3 बीमा कंपनी से खण्डपीठ के 1 के पीठासीन अधिकारी के. एल. चरयाणी, सदस्य अशोक कुमार एवं विजय शंकर तिवारी के समक्ष स्वेच्छया 23,50,000 है। राजीनामा के कारण प्रकरण का निराकरण मात्र 08 माह 27 दिवस के भीतर संभव हो हुआ। उपरोक्त प्रकरण में अनावेदक बीमा कंपनी को एकमुश्त 23,50,000 रुपए अधिनिर्णय दिनांक से 60 दिन के भीतर जमा करने हेतु निर्देशित किया गया।

फीकल स्लज एवं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन पर संभाग स्तरीय प्रशिक्षण

पर्यावरण संरक्षण, जल स्त्रोतों के प्रदूषण रोकथाम और स्वास्थ्य सुरक्षा पर हुई समीक्षा

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत व्क्ष्् च्सने स्थिरता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन ओडीएफ प्लस एवं फ़िकलस्लेज़ ज़मीन (पीडब्लूएम) विषय पर एक दिवसीय संभाग स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर विलास भोसकर के मार्गदर्शन तथा जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में संभाग के सभी जिलों से एफएसएम और पीडब्ल्यूएम से जुड़ी ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं सचिव, स्वच्छाग्राही समूह के अध्यक्ष/सचिव, साथ ही मिशन के जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान डॉ. रूपेश राठौर एवं पुरुषोत्तम पण्डा (राज्य सलाहकार) द्वारा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से फीकल स्लज प्रबंधन की संपूर्ण प्रक्रिया-संग्रह, परिवहन, उपचार एवं सुरक्षित निस्तारण, डिस्लजिंग की चरणबद्ध प्रक्रिया, एफएसटीपी (ड्राइंग बेड) का वैज्ञानिक संचालन, सुरक्षा उपाय, रिकॉर्ड प्रबंधन एवं निगरानी तंत्र पर विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में बताया गया कि व्यवस्थित एफएसएम प्रणाली से पर्यावरण संरक्षण, जल स्त्रोतों के प्रदूषण की रोकथाम, स्वास्थ्य सुरक्षा तथा ओडीएफ प्लस स्थिति की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित होती है। साथ ही ग्राम पंचायतों की प्रमुख भूमिका-यूजर शुल्क संग्रह, डिस्लजिंग वाहन की नियमित निगरानी, सुरक्षित निस्तारण का सत्यापन एवं समुदाय में जागरूकता

पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए ग्राम पंचायत स्तर पर पीडब्ल्यूएम और एफएसएम के योजनाबद्ध, सुरक्षित एवं गुणवत्ता आधारित क्रियान्वयन हेतु निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण, तकनीकी दक्षता, सामुदायिक सहभागिता और सतत निगरानी के माध्यम से ही स्वच्छता को स्थायी बनाया जा सकता है।

प्रशिक्षण में यह भी जोड़ा गया कि ग्राम पंचायतों में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन एवं फीकल स्लज प्रबंधन को विशेष प्राथमिकता देते हुए कार्य किए जाएं। राज्य सलाहकारों एवं विषय विशेषज्ञों द्वारा इन गतिविधियों को बिजनेस मॉडल के रूप में विकसित करने, राजस्व सृजन, लागत वसूली, तथा संधारणीय संचालन पर केंद्रित प्रशिक्षण दिया गया, ताकि पंचायतें आत्मनिर्भर बन सकें और सेवाओं की निरंतरता बनी रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन सहभागियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन एवं फीकल स्लज मैनेजमेंट को प्रभावी रूप से लागू करने के संकल्प के साथ हुआ।

पुरानी रंजिश को लेकर खूनी संघर्ष, 15 लोगों के विरूद्ध अपराध दर्ज

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बलरामपुर जिला के रघुनाथनगर थाना अंतर्गत ग्राम जौराही में जमीन विवाद को लेकर खूनी संघर्ष की स्थिति निर्मित हो गई। पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर 15 लोगों के विरूद्ध बलवा सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक ग्राम जौराही निवासी विजय कुमार, मनोज कुमार पिता रूपनारायण, भगवान दास पिता सुखदेव, सुनीता पति भगवान दास, बासमती पति स्व. रूपनारायण, रामनरेश पिता रामचरित्र, सरस्वती पति विजय कुमार व महेंद्र कुमार यादव सहित परिवार के अन्य सदस्यों से जमीन विवाद चल रहा है। 10 दिसम्बर को कथित रूप से खेत जोताई को लेकर इनके बीच विवाद की स्थिति बनी, जो खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। आरोपियों ने शिवनारायण पिता स्व. नान्हक के कनपटी व सिर में लाठी, रॉड से वार कर दिया, जिसमें उसका सिर फूट गया। घटना की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध बीएनएस की धारा 115(2), 191, 296, 351(2) का मामला दर्ज कर लिया है। दूसरे पक्ष से ग्राम जौराही निवासी विजय कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 10 दिसम्बर को वह अपने घर से दुकान की ओर अपने बड़े पापा के लड़के के साथ जा रहा था। इस दौरान सुखदेव पिता हरिचरण अपने खेत में जोताई कर रहा था। बड़े पापा का लड़का सुखदेव को कहा कि चाचा मैं हल जोताई कर दे रहा हूं, आप तम्बाकू बनाकर खिलाइए। इसी बीच फुलकुंवर पति महेन्द्र घर से निकली और गाली-गलौज करने लगी। इसके बाद वे दुकान चले गए। महेन्द्र इन्हें फोन करके बुलाया। जब वे मौके पर पहुंचे तो महेन्द्र और उनकी पत्नी इनके साथ गाली-गलौज करने लगे। इस बीच राजेन्द्र पिता शिवनारायण घर से बाहर निकला। मारपीट करने की नियत देखकर वे सुखदेव के घर में घुस गए। इसके बाद राजेन्द्र और गोविन्दी बाई घर में घुसकर हाथ-मुक्का से मारपीट करने लगे। मारपीट होते देखकर भगवान दास अपनी पत्नी के साथ पहुंचा और बीच-बचाव किए और दोनों भगवान दास के घर में चले गए। मामला शांत हो पाता इसके पहले राजेन्द्र, महेन्द्र, बलिन्द्र तीनों पिता शिवनारायण, संदेश पिता राजेन्द्र, फुलकुवंर पति महेन्द्र, शिवनारायण पिता नान्हक, फूलमती पति शिवनारायण, गोविन्दी पति राजेन्द्र जान से मारने की धमकी देकर विजय को घर से बाहर निकालने के लिए ललकाराने लगे। घर से बाहर नहीं निकालने पर सभी बीच-बचाव करने वालों के साथ लाठी-डंडा से मारपीट करने लगे। रिपोर्ट पर पुलिस ने आठों आरोपियों के विरूद्ध धारा 115(2), 191, 296, 333, 351(2) का मामला दर्ज कर लिया है।

अस्पताल परिसरों में संचालित धन्वंतरी मेडिकल स्टोर होंगे बंद, खुलेंगे प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा संभाग के शासकीय अस्पताल परिसरों में संचालित धन्वंतरी मेडिकल स्टोर को बंद कर उनके स्थान पर प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र खोलने के स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं। यह आदेश संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं, सरगुजा संभाग अंबिकापुर डॉ. अनिल कुमार शुक्ला द्वारा जारी किया गया है। जारी पत्र में उल्लेख किया गया है कि भारत सरकार की प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना का उद्देश्य आम नागरिकों को कम कीमत पर उच्च गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराना है। इसी उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा शासकीय मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल, सिविल

अस्पताल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में जन औषधि केंद्र स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। पत्र में यह स्पष्ट किया गया है कि वर्तमान में अस्पताल परिसरों में संचालित धन्वंतरी मेडिकल स्टोर शासन के नवीन निर्देशों के अनुरूप नहीं हैं, इसलिए उन्हें तत्काल प्रभाव से बंद कर प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र खोले जाएं। संयुक्त संचालक डॉ. अनिल शुक्ला ने यह भी निर्देशित किया है कि यदि किसी स्वास्थ्य संस्था में धन्वंतरी मेडिकल स्टोर का संचालन जारी पाया जाता है, तो संबंधित खंड चिकित्सा अधिकारी, सिविल सर्जन अथवा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को इसके लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार माना जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार डॉ. अनिल शुक्ला द्वारा जारी यह आदेश पूरी तरह जनहित में है। इससे मरीजों को सीधे भारत सरकार की योजना के अंतर्गत सस्ती, भरोसेमंद और पारदर्शी दरों पर दवाएं उपलब्ध होंगी। विभागीय अधिकारियों का मानना है कि यह निर्णय प्रधानमंत्री जन औषधि योजना को ज़मीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सराहनीय कदम है।

मामूली कहासुनी पर छोटे भाई ने बड़े भाई को मारा चाकू

छ.ग. फ्रंटलाइन बलरामपुर। जिले के वाड्रफनगर क्षेत्र में आपसी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया मामूली कहासुनी के दौरान छोटे भाई ने बड़े भाई पर चाकू से हमला कर दिया। घटना 4 दिसंबर की सुबह करीब 11 बजे की है, जब वार्डफनगर निवासी विशाल प्रजापति अपने छोटे भाई के किराए के मकान में पत्नी के साथ रुके हुए थे। इसी दौरान दोनों भाइयों के बीच विवाद हो गया, जिसमें आरोपी दीपक प्रजापति ने सब्जी काटने वाले चाकू से विशाल की पीठ पर वार कर दिया। पीड़ित की शिकायत पर चौकी वाड्राफनगर में अपराध दर्ज कर आरोपी की पतासाजी कर उसे उसके घर से हिरासत में लिया गया। आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त चाकू भी जब्त किया गया। पुलिस ने आरोपी दीपक प्रजापति को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

भुईयां पोर्टल में इंद्राज राजस्व अभिलेख में कूटरचना, पटवारी और भूमि स्वामी के विरूद्ध केस दर्ज

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शासकीय एवं निजी भूमि को हल्का पटवारी द्वारा कूटरचित करते हुए भुईयां पोर्टल के राजस्व अभिलेख में छेड़छाड़ करते हुए धान बिक्री करने के लिए विरेन्द्र गुप्ता एवं उनके परिवार के सदस्यों का नाम हल्का पटवारी के आईडी से फर्जी तरीके से ऑनलाइन दर्ज करने के मामले में पुलिस ने पटवारी और भूमि स्वामी के विरूद्ध केस दर्ज किया है। तहसीलदार राजपुर की ओर से जांच के बाद संबंधितों के विरूद्ध अपराध दर्ज करने के लिए पुलिस चैकी प्रभारी डौरा को जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया था। जानकारी के मुताबिक 05.12.2025 को कौदौरा के पूर्व सरपंच पीटर लकड़ा, सरपंच पति प्रमोद कांशी एवं ग्रामवासियों के द्वारा लिखित शिकायत पत्र तहसीलदार राजपुर के समक्ष पेश किया था कि ग्राम पंचायत पकराड़ी, सेमराकठरा, भेण्डरी करमडीहा, कोदौरा, कोटडीह में विरेन्द्र गुप्ता पिता विजय गुप्ता द्वारा अपने परिवार के नरेन्द्र गुप्ता व धर्मेन्द्र गुप्ता दोनों पिता विजय गुप्ता, सरिता गुप्ता पति विजय गुप्ता, प्रियंका गुप्ता पति नरेन्द्र गुप्ता, बिन्दा देवी पति बजरंगी, विजय गुप्ता पिता स्व. लक्ष्मण गुप्ता निवासी फोटडीह, वर्तमान निवास कोदौरा, तहसील राजपुर के द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के बड़े झाड़ व छोटे झाड़ जंगल मद की भूमि एवं निजी भूमि स्वामी मद की भूमि को फर्जी तरीके से भुईयां पोर्टल में राजस्व अभिलेख में छेड़छाड़ करके धान विक्रय हेतु अपने नाम कराया गया है। शिकायत के आधार पर राजस्व अमले ने ग्राम पकराड़ी, भेण्डरी, करमडीहा, कोदौरा, कोटडीह के खसरा पंचशाला खण्ड 01 वर्ष 2021-22 से 2025-26 के अनुसार राजस्व अभिलेखों में दर्ज प्रविष्टियों का वर्तमान भुईयां पोर्टल से प्राप्त बी-1, खसरा, खसरा खण्ड-2 से मिलान किया, जिसमें मैन्युअल खसरा पंचशाला वर्ष 2021-22 से 2025-26 एवं भुईयां पोर्टल से प्राप्त बी-1, खसरा, खसरा खण्ड-2 में दर्ज प्रविष्टियों में तहसील राजपुर अंतर्गत पटवारी हल्का नंबर 01 एवं 02 में राजस्व अभिलेख से छेड़छाड़ करना पाया गया। जांच में स्पष्ट हुआ कि अजेन्द्र टोप्पो पटवारी हल्का नंबर 01 कोदौरा एवं 02 भेण्डरी के द्वारा भुईयां पोर्टल के आईडी का दुरूपयोग किया गया है। शिकायत में शामिल भूमि स्वामी एवं शासकीय खसरा में अजेन्द्र टोप्पो एवं विरेन्द्र गुप्ता के द्वारा छलपूर्वक कूटरचना व हल्का पटवारी के आईडी से फर्जी तरीके से प्रविष्टि करना पाए जाने पर तहसीलदार राजपुर कावेरी मुखर्जी की रिपोर्ट पर पुलिस ने दोनों के विरूद्ध बीएनएस की धारा 318, 319, 336, 338, 340, 61 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

प्रसव के बाद महिला की मौत, बच्चा चिकित्सकों के निगरानी में

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जहां एक ओर गर्भस्थ किशोरी ने प्रसव के बाद बच्चे को जन्म दिया, दो दिन के अंतराल में नवजात की मौत हो गई, वहीं सुरक्षित प्रसव के बाद एक महिला की मौत हो गई, बच्चे को चिकित्सकों ने अपनी निगरानी में रखा है। दोनों के शव को पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने स्वजनों के सुपुर्द कर दिया है। जानकारी के मुताबिक राजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम परसागुड़ी की सोनी खलखो पति अजय लकड़ा 34 वर्ष गर्भवती थी। मायके पक्ष के बुलाने पर वह अपने घर ग्राम लोधिमा आ गई थी। 12 दिसम्बर को प्रसव पीड़ा होने पर महिला को उसके माता-पिता पीएचसी रामपुर ले गए। यहां स्वास्थ्य खराब होने की स्थिति में चिकित्सक ने उसे रिफर कर दिया था। मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में महिला प्रसव के बाद बच्चे को जन्म दी, लेकिन उसकी स्थिति काफी खराब थी। 12 दिसम्बर को देर रात 11 बजे, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बच्चे को चिकित्सकों ने एसएनसीयू में अपनी निगरानी में रखा है। अस्पताल से मिली सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

बच्चे को जन्म दी किशोरी, दो दिन बाद नवजात की मौत

दूसरे मामले में कमलेश्वरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत लिव इन में रहने वाली 15 वर्षीय गर्भवती किशोरी को प्रसव पीड़ा होने पर स्वजन 10 दिसम्बर को नर्मदापुर स्वास्थ्य केन्द्र लेकर गए, यहां से जांच के बाद चिकित्सक ने किशोरी को रिफर कर दिया। गर्भवती किशोरी का सातवां माह चल रहा था। मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर के मातृ एवं शिशु अस्पताल में पीड़ा होने पर चिकित्सक ने प्रसव कराया। बच्चे का वजन लगभग एक किलो था, और उसकी स्थिति नाजुक थी। एसएनसीयू में चिकित्सक उसे अपनी निगरानी में रखे थे। दो दिन पूर्व जन्म लिए बच्चे की 12 दिसम्बर को शाम 5.50 बजे मौत हो गई। प्रसूता की स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है। अस्पताल से मिली सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

पंचायत स्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता संपन्न

फाइनल मुकाबले में गंगापुर ने लैंगा को 59 रनों से हराया

छ.ग. फ्रंटलाइन लखनपुर। विकासखंड अंतर्गत दूरस्थ ग्राम पंचायत लैंगा में आयोजित पंचायत स्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला खेल प्रेमियों के लिए बेहद रोमांचक रहा। प्रतियोगिता का फाइनल मैच गंगापुर एवं लैंगा टीम के मध्य खेला गया, जिसमें शानदार प्रदर्शन करते हुए गंगापुर की टीम ने लैंगा को 59 रनों से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए गंगापुर की टीम ने निर्धारित 12

ओवरों में 234 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम के बल्लेबाजों ने आक्रामक एवं धुआंधार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए लैंगा की टीम ने भी संघर्षपूर्ण खेल दिखाया। 12 ओवर खेलने के बावजूद टीम 175 रन ही बना सकी और 59 रनों से हार का सामना करना पड़ा। मुख्य अतिथि दिनेश बारी ने अपने संबोधन में दोनों टीमों को शानदार खेल के लिए बधाई दी।

सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय में नशामुक्त भारत सप्ताह का शुभारंभ

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय सुभाषनगर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई अंतर्गत नशामुक्त भारत अभियान सप्ताह का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा के मार्गदर्शन व कार्यक्रम अधिकारी रासेयो के नेतृत्व में हुआ, जो 13 से 18 दिसम्बर तक चलेगा। नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत प्रथम दिवस कार्यक्रम अधिकारी रासेयो रानी रजक ने नशामुक्त भारत अभियान के बारे में बीएड प्रथम वर्ष के प्रशिक्षणार्थियों को जानकारी दी। उन्होंने कहा नशामुक्त भारत अभियान की शुरुआत भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020 में की गई। इसका मुख्य उद्देश्य समाज को नशे की लत से मुक्त करना, विशेष रूप से युवाओं और किशोरों को नशे के दुष्प्रभावों से बचाना तथा उन्हें स्वस्थ और सकारात्मक जीवन की ओर प्रेरित करना है। उन्होंने कहा नशा केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। इससे शारीरिक, मानसिक, आर्थिक और सामाजिक समस्याएं उत्पन्न होती हैं। नशे की लत के कारण अपराध बढ़ते हैं, स्वास्थ्य बिगड़ता है और व्यक्ति का भविष्य अंधकारमय हो जाता है। इस अभियान के अंतर्गत जन जागरूकता कार्यक्रम, पोस्टर प्रतियोगिता, रैली, व्याख्यान, नुक्कड़ नाटक, शपथ कार्यक्रम तथा परामर्श सेवाएं आयोजित की जाएंगी। विद्यालयों, महाविद्यालयों और ग्राम स्तर पर युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर